RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 195 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 10-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का भाषण पर परा से हटकर वास्तविक होता तो यह बेहतर होता

6 ड्रेगन की सेना में आई दरार, अपने ही जनरल बन रहे खतरा

7 'आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे,' सुनील थापा के निधन पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

फर्स्ट टेक

बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने का नोटिस देने की तैयारी में विपक्ष

नयी दिल्ली। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाने की तैयारी में है और इसके लिए सदन के सदस्यों के हस्ताक्षर लिए जाने की प्रक्रिया जारी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत नहीं देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94 सी के तहत यह प्रस्ताव लाया जा सकता है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा सदन में की गई टिप्पणियों को लेकर उन पर कार्रवाई शुरू नहीं करने और कांग्रेस की महिला सांसदों पर बिना साक्ष्य के आरोप लगाये जाने के मामले में भी अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव के लिए नोटिस देने पर विचार किया जा रहा है।

मनु को 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक, वियतनाम की ट्रेंग को स्वर्ण

नयी दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली। फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए।

नई दिल्ली में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथनई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में भारत और सेशेल्स गणराज्य के बीच डेलीगेशन-लेवल की बातचीत में शामिल हुए।

भारत ने सेशेल्स के लिए 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आर्थिक पैकेज की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ व्यापक बातचीत की जिसके बाद भारत ने सोमवार को इस द्वीप राष्ट्र को विकास सहायता के रूप में 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने सतत विकास, व्यापार, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिपत्र पर भी सहमति व्यक्त की। हर्मिनी भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आए हैं।

हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी देश है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, भारत और सेशेल्स केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा दृष्टि से भी जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत आधारशिला रही है। उन्होंने कहा, हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, आज हम 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि यह पैकेज ठोस परियोजनाओं को समर्थन देगा, जो सामाजिक आवास, परिवहन सुविधा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लागू की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत-सेशेल्स संबंधों की सबसे बड़ी ताकत हमारे लोगों के बीच के संबंध हैं। सेशेल्स में बसे भारतीय समुदाय ने वहां के सामाजिक और आर्थिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा, साथ ही उन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमारी मित्रता को भी मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की बातचीत के बाद यह स्पष्ट है कि भारत-सेशेल्स संबंध एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

'दिल्ली खालिस्तान बन जाएगी'

राजधानी के 15 स्कूल को धमकी भरे ईमेल भेजे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को 12 से अधिक विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए, जिसके कारण बड़े पैमाने पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया और एहतियात के तौर पर विद्यालयों को खाली कराया गया। इनमें से आठ धमकियों को बाद में फर्जी घोषित किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धमकी भरे ईमेल में परेशान करने वाली और भड़काऊ सामग्री थी, जिसमें लिखा था, दिल्ली खालिस्तान बन जाएगी। पंजाब खालिस्तान है। अफजल गुरु की याद में। ईमेल में धमकी दी गई कि 13 फरवरी को दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर संसद के अंदर एक विस्फोट होगा। इसके मद्देनजर सुरक्षा सतर्कता और एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ा दिया गया है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित कई शैक्षणिक संस्थानों से सुबह के समय आपातकालीन कॉल प्राप्त हुए, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और बम निरोधक दस्ते तुरंत उन स्थानों पर भेजे गए।

डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, अभी तक कुल 15 विद्यालयों को बम की धमकी मिली। दमकल सेवा दल तुरंत परिसर में पहुंचे। तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि इनमें से आठ धमकियों को फर्जी घोषित कर दिया गया है। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि जिन विद्यालयों को धमकियां मिली हैं, उनमें दिल्ली छावनी स्थित लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल, श्रीनिवासपुरी और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कैम्ब्रिज स्कूल, सादिक नगर स्थित द इंडियन स्कूल, आईएनए स्थित डीटीईए स्कूल, रोहिणी स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल, रोहिणी और शालीमार बाग स्थित सीएम श्री स्कूल, पीतमपुरा में आधारशिला विद्यापीठ, शालीमार बाग स्थित मॉर्डन पब्लिक स्कूल एवं जसपाल कौर पब्लिक स्कूल, न्यू राजेंद्र नगर स्थित मानव स्थली स्कूल, द्वारका में राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय और रोहिणी स्थित बाल भारती स्कूल शामिल हैं।

एहतियात के तौर पर इन सभी विद्यालयों को खाली करा लिया गया है और स्टाफ को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाले दल व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं।

इस अभियान में श्वान दस्ते का भी सहयोग लिया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर टीम को काम पर लगाया गया है, जबकि राजधानी में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी स्कूल परिसर से अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है और तलाशी अभियान जारी है।

भाजपा राष्ट्र को पहले, जबकि विपक्ष स्वार्थ को पहले रखता है: नितिन नबीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्र को पहले, संगठन को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है, जबकि विपक्ष के लिए स्वार्थ ही पहला और आखिरी होता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने गृहनगर पटना की पहली यात्रा पर पहुंचे नबीन ने पार्टी की बिहार इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उस दौर में जंगल राज को उखाड़ फेंकने में भूमिका निभाई, जब पर्चे बांटना भी जोखिम से भरा होता था। उन्होंने कहा, त्याग की वही भावना आज भी जारी है। मुझे केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का अवसर मिला, जहां पार्टी कार्यकर्ता बिना किसी स्वार्थ के संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा ऐसी पार्टी है जो राष्ट्र को पहले, पार्टी को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है। हमारे विरोधियों के लिए स्वार्थ ही पहला और आखिरी होता है।

पैंतालीस वर्ष की उम्र में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नबीन ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा, हमारे पास मजबूत वॉच टॉवर है। बूथ स्तर का कार्यकर्ता निश्चिंत रह सकता है कि उसके काम का संज्ञान लिया जा रहा है और वह प्रदेश इकाई का अध्यक्ष, यहां तक कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है। मैं आपके सामने इसका उदाहरण हूं। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि कभी चीजें उनकी इच्छा के अनुसार न हों तो निराश न हों। उन्होंने कहा, वे बेहतर दिनों की उम्मीद रख सकते हैं। पार्टी ने अब तक क्षैतिज विस्तार देखा है। आने वाले दिनों में कार्यकर्ताओं का ऊर्ध्वाधर विकास होगा।

बांकीपुर के विधायक नबीन ने अपने गृह राज्य बिहार में पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा, अगर आप सब अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो श्रेय मुझे मिलेगा।

विपक्ष ने अदनान सामी के साथ भोजन करने को लेकर भागवत की आलोचना की

मुंबई/दक्षिण भारत। विपक्षी कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के गायक-संगीतकार अदनान सामी के साथ भोजन करने की सोमवार को कड़ी आलोचना की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह राष्ट्र-विरोधी कृत्य के समान है। कांग्रेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अदनान सामी के पिता अरशद सामी खान पाकिस्तानी वायु सेना में पायलट थे, जो 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पठानकोट हवाई अड्डे पर किये गए हमले में शामिल थे। अदनान सामी और बॉलीवुड कलाकार सलमान खान, विक्की कौशल, रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी सहित कई अन्य हस्तियों ने आरएसएस का शताब्दी वर्ष मनाने के लिए सप्ताहांत के दौरान मुंबई में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।

कांग्रेस ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अदनान सामी के पिता अरशद सामी खान पाकिस्तानी वायु सेना में पायलट थे, जिन्होंने 1965 के युद्ध के दौरान पठानकोट हवाई अड्डे को नष्ट कर दिया था। आज, मोहन भागवत उनके साथ भोजन का आनंद ले रहे हैं। आरएसएस (का यह कदम) राष्ट्रविरोधी है। शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने सवाल किया कि आरएसएस सामी के साथ भोजन साझा करके देश को क्या प्रेरणा दे रहा है।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, चिकित्सकों ने सीने में संक्रमण की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार (शप) के प्रमुख शरद पवार को खांसी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद सोमवार को बारामती में उनके आवास से पुणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ और प्रबंध न्यासी डॉ. परवेज ग्रांट ने बताया कि सीटी स्कैन जांच में छाती में संक्रमण पाया गया है। ग्रांट ने बताया, सभी जांचों के बाद हम उन्हें (पवार को) एक दिन के लिए भर्ती कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की एक टीम उनकी जांच कर रही है और आगे का इलाज उसी के अनुसार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि 85 वर्षीय नेता को दोपहर में अस्पताल लाया गया था। उनके साथ उनकी बेटी व लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले और उनके पति सदानंद सुले भी थे। अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद पवार को व्हीलचेयर पर अस्पताल के अंदर ले जाया गया। हालांकि पवार स्वयं ही वाहन से उतरे थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मुंह के कैंसर से उबर चुके पवार गले में संक्रमण, लगातार खांसी और सीने में जकड़न से पीड़ित हैं।

11-02-2026 सूर्यास्त 6:24 बजे | 12-02-2026 सूर्योदय 6:45 बजे

BSE 84,065.75 (+485.35) | NSE 25,867.30 (+173.60)

सोना 16,355 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 252,099 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।नबीन।

बजट में लिखी बातों को न तो पढ़ते और न ही सुनते हैं राहुल गांधी : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत: पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को सूरत में पंडित दीनदयाल भवन भाजपा ऑफिस में यूनियन बजट 2026 पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करती हुईं।

सूरत। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार द्वारा 2026-27 के बजट में कही गई बातों को न तो ठीक से सुना है और न ही पढ़ा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एक विकसित भारत की परिकल्पना को पूरा करने और देश की आर्थिक क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रगतिशील, व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी बजट पेश किया है। राहुल गांधी द्वारा बजट को उद्योगपतियों के लिए फायदेमंद बताने पर ईरानी ने कहा, बजट में महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना का उल्लेख है, जो हथकरघा और हस्तशिल्प व्यवसाय में जुटे लोगों के लिए है। ऐसे आरोप लगाने वाला व्यक्ति (राहुल गांधी) न तो ठीक से सुनता है और न ही पढ़ता है। अगर उन्होंने बजट को पढ़ा होता, तो उन्हें बजट में इस प्रावधान की जानकारी होती।

लोकसभा की पूर्व सदस्य ने कहा कि विभिन्न उद्योग संघों और पेशेवर समूहों ने दिनभर बजट का विश्लेषण करने के लिए एक बैठक की और उन्होंने सूरत की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विशेष रूप से बधाई दी। ईरानी ने कहा, आम नागरिकों ने आर्थिक सर्वेक्षण और बजट के माध्यम से प्रदर्शित वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता की सराहना की। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) वाले शहर सूरत ने एमएसएमई के विकास के लिए किए गए प्रावधानों, विशेष रूप से 10,000 करोड़ रुपये के ऋण, संस्थागत और आर्थिक समर्थन का स्वागत किया है। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुसार, केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया और इस पर जोर दिया, जिसकी सूरत के लोगों ने सराहना की है।

ईरानी ने कहा, नये उभरते हुए अवसरों पर चर्चा भी हुई। सूरत के वस्त्र विशेषज्ञों और संगठनों ने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री द्वारा वस्त्र पार्कों की घोषणा के कारण यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। यह केंद्र वस्त्र उद्योग के लिए कई नए अवसर सृजित कर रहा है।

पीयूष गोयल के खिलाफ द्रमुक सदस्य ने दिया विशेषाधिकार हनन नोटिस

नयी दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम के सदस्य तिरुचि शिवा ने कहा कि उन्होंने मौजूदा संसद सत्र के दौरान, भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते का विवरण सदन के बाहर देने को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उच्च सदन की कार्यवाही शुरू होने पर शिवा ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, मैंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। संसद सत्र के दौरान सदन के बाहर सरकार के नीतिगत निर्णय से जुड़ी जानकारी देना सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन है।

सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शिवा का समर्थन किया। सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि वह इस मामले को देखेंगे। उन्होंने कहा, उन्होंने (गोयल ने) सदन में बयान दे दिया है हम इस पर विचार करेंगे। विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया लेकिन फिर शून्यकाल के तहत सदस्यों ने अपने अपने मुद्दे उठाए। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर चार फरवरी को संसद के दोनों सदनों में एक बयान दिया था। उन्होंने रविवार को कहा था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में किसानों और घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं।

स्वयं को प्रौद्योगिकी का गुलाम न बनाएं, उसका उपयोग क्षमता बढ़ाने में करें: मोदी ने छात्रों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि विद्यार्थियों को अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि इसका उपयोग अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए करना चाहिए। मोदी ने परीक्षा पे चर्चा' के दूसरी कड़ी में कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। मोदी ने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात में विद्यार्थियों से कहा, इसका मतलब है कि आप मोबाइल के गुलाम बन गए हैं। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि आप अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देंगे।''

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग कौशल को निखारने और अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए करें। हमें एआई या मोबाइल को सर्वोपरि बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए; कुछ बच्चे स्मार्टफोन देखे बिना खाना नहीं खाते। हम एआई का कुशलतापूर्वक उपयोग कर सकते हैं।'' उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पिछले प्रश्न पत्रों का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने का भी आग्रह किया। मोदी ने कहा, परीक्षाओं की अच्छी तैयारी करने के बाद आपको कभी तनाव महसूस नहीं होगा। रात में अच्छी नींद लेने से आप दिन भर खुश रहेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई कि देश के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र भी विकसित भारत 2047 के सपने को अपने मन में संजोए हुए हैं। यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। हमें विकसित देशों की आदतों को अपनाना चाहिए -हमें लाल बत्ती पर इंजन बंद करना चाहिए, भोजन नहीं छोड़ना चाहिए और भोजन की बर्बादी कम करनी चाहिए... अनुशासन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है...।''

भाजपा की मंजुषा नागपुरे निर्विरोध पुणे की महापौर चुनी गयीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे (महाराष्ट्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पार्षद मंजुषा नागपुरे सोमवार को पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) की निर्विरोध महापौर चुनी गईं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के परशुराम वाडेकर उपमहापौर बने हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की शीतल सावंत और कांग्रेस नेता अश्विनी लांडगे ने महापौर पद के चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया, जबकि राकांपा पार्षद दत्तात्रेय बहिरात और कांग्रेस के साहिल केदारी ने उपमहापौर पद की दावेदारी से नाम वापस ले लिया।

सिंहगढ़ क्षेत्र की पार्षद नागपुरे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से करीबी रूप से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने प्रबंधन में स्नातकोत्तर किया है। आरपीआई (आठवले) के वाडेकर ने उपमहापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने पिछले महीने बोपोडी क्षेत्र से सहयोगी भाजपा के टिकट पर नगर निकाय चुनाव लड़ा था।

पुणे महानगरपालिका की 165 सीटों में से भाजपा ने 119 सीटें जीतीं, जबकि अजित पवार की राकांपा और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शप) ने कुल 30 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस को 15 सीटें मिलीं और उसकी सहयोगी शिवसेना (उबाठा) को सिर्फ एक सीट मिली।

खरगे को बोलने की अनुमति न मिलने पर राज्यसभा से विपक्ष ने किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति न मिलने के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। उच्च सदन में जब शून्यकाल समाप्त हुआ और प्रश्नकाल शुरू हुआ तब कांग्रेस सदस्य खरगे ने अपनी बात रखनी चाही। आसन से स्वीकृति मिलने पर खरगे ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा, इन दोनों सदनों को मिला कर संसद बनती है और संविधान का पालन सबको करना होता है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने लोकसभा से संबंधित इस मुद्दे को उच्च सदन में उठाने की अनुमति नहीं दी और कहा कि वह (खरगे) जो कुछ भी कहेंगे, वह रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। इससे पहले खरगे ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा पिछले सप्ताह संसद सत्र के दौरान भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सदन के बाहर बयान देने का मुद्दा भी उठाया था।

जब सभापति ने खरगे को बोलने की अनुमति नहीं दी, तब विपक्ष के सदस्य खड़े होकर विरोध जताने लगे। सभापति ने प्रश्नकाल की कार्यवाही आगे बढ़ाई, तो विपक्षी सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा और बाद में सदन से बहिर्गमन कर दिया।

इससे पहले, शून्यकाल शुरू होने पर द्रमुक सदस्य तिरुचि शिवा ने कहा कि उन्होंने गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है क्योंकि संसद का सत्र चल रहा है और गोयल ने भारत अमेरिका व्यापार समझौते पर सदन के बाहर बयान दिया था।

हमें 'गुंडा राज' स्वीकार्य नहीं है : सीजेआई

अदालत कक्ष में वकील से मारपीट की घटना पर कहा

नयी दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि गुंडा राज'' अस्वीकार्य है और उन्होंने सात फरवरी को यहां एक जिला अदालत में अदालत कक्ष के अंदर मारपीट का आरोप लगाने वाले एक वकील को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने के लिए कहा।

एक वकील ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए अपनी याचिका का उल्लेख किया।

वकील ने कहा, मैं तीस हजारी अदालत में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) हरजीत सिंह पाल की अदालत में पेश हुआ था। मैं आरोपी की ओर से पेश हुआ था। शिकायतकर्ता के वकील ने कई गुंडों के साथ मिलकर मुझ पर हमला किया... उन्होंने मुझे पीटा और न्यायाधीश वहीं बैठे थे। अदालत के सभी सदस्य वहां मौजूद थे।''

इस पर सीजेआई ने कहा, यह घटना सात फरवरी को हुई थी। क्या आपने इसकी सूचना दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दी है? मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखें और मुझे भी इसकी सूचना दें।

बिहार में 1995-2015 के बीच धार्मिक यात्रा पर आए 167 पाकिस्तानी : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि 1995 से 2015 के बीच धार्मिक यात्रा के उद्देश्य से राज्य में कुल 173 विदेशी नागरिक आए, जिनमें से 167 पाकिस्तान से थे।

सम्राट ने कहा कि शेष आगंतुक ब्रिटेन, रूस और उज़्बेकिस्तान से थे, और सभी अपने-अपने देश लौट गए। मंत्री ने यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मिथिलेश तिवारी की ओर से पूछे गये प्रश्न के उत्तर में दी।

गृह मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि धार्मिक यात्रा पर आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाती है और सरकार यह सुनिश्चित करती है कि उनके द्वारा कोई आपराधिक गतिविधि न हो। उन्होंने कहा कि इमीग्रेशन और सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम करती हैं और संदिग्ध मामलों में कार्रवाई की जाती है। तिवारी ने धार्मिक यात्राओं की आड़ में विदेशी नागरिकों की पहचान, सत्यापन और दीर्घकालिक मौजूदगी को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन या धार्मिक यात्रा के बहाने आने वाले कुछ लोग बाद में स्थानीय समाज में इस तरह घुल-मिल जाते हैं कि उनकी आधिकारिक पहचान धुंधली पड़ जाती है। उनके अनुसार, धार्मिक आस्था के नाम पर आने वाले कुछ विदेशी नागरिकों के बारे में स्थानीय स्तर पर चर्चा तो होती है, लेकिन उनके आगमन और गतिविधियों का कोई स्पष्ट सरकारी ट्रैक रिकॉर्ड दिखाई नहीं देता।

विधायक ने अपने क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि गोपालगंज जिले में थावे मंदिर को छोड़कर आसपास कोई बड़ा धार्मिक केंद्र नहीं है, इसके बावजूद समय-समय पर विदेशी नागरिकों की पहचान की मौजूदगी देखी जाती है।

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव मे महायुति का शानदार प्रदर्शन, 552 सीट जीतीं

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में सोमवार को घोषित हुए जिला परिषद चुनावों के नतीजों में भाजपा-नीत महायुति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल %31 में से 552 सीट पर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा 225 सीट के साथ सबसे आगे रही, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को 165 और शिवसेना को 162 सीट पर जीत मिली।

विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) में कांग्रेस 55 सीट जीतकर सबसे आगे रही। इसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) को 43 और शरद पवार की राकांपा (एसपी) को 26 सीट पर जीत मिली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने लातूर और रत्नागिरी में एक-एक सीट

जीती। बीस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग में पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को 14 और पंजीकृत दलों को सात सीट पर जीत मिली। राकांपा ने पुणे जिला परिषद में %3 में से 51 सीट पर जीत दर्ज की। राकांपा और राकांपा (एसपी) ने घड़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था। ये चुनाव 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में अजित पवार के निधन के कुछ ही दिन बाद हुए थे। शिवसेना ने रायगढ़ जिला परिषद में 59 में से 23 सीट जीतीं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी ने रत्नागिरि जिला परिषद में भी 56 में से 41 सीट पर जीत हासिल की। भाजपा ने सिंधुदुर्ग में 50 में से 2% सीट जीतीं। इसके अलावा भाजपा सतारा, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणि, धाराशिव, सतारा और लातूर में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। कांग्रेस कोल्हापुर में सबसे बड़ी पार्टी रही। बारह जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों की मतगणना पूर्वाह्न 10 बजे शुरू हुई थी। हालांकि, राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत समिति चुनावों के नतीजे अभी घोषित नहीं किए हैं।

बंगाल में 28 फरवरी से पहले अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने के प्रयास जारी : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी से पहले प्रकाशित नहीं की जाएगी, हालांकि इस महीने के अंत तक इसे जारी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को प्रभावित व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की समय सीमा 14 फरवरी से एक सप्ताह आगे बढ़ा दी है। अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी से पहले प्रकाशित नहीं की जाएगी। हम इसे 28 फरवरी तक प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया पर अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 1.39 करोड़ मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है, जबकि लगभग 1.06 करोड़ मामलों में दस्तावेज अपलोड किए जा चुके हैं। अग्रवाल ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने चुनाव संबंधी कार्यों के लिए 8,505 ग्रुप-बी अधिकारियों के नाम उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने बताया, वे (ग्रुप बी अधिकारी) कल से कार्यभार संभालेंगे। दो दिन के प्रशिक्षण के बाद, नए पर्यवेक्षकों को पांच से सात दिनों के भीतर उनके लॉगिन क्रेडेंशियल' मिल जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शिकायत निवारण के संबंध में बताया, अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अगर किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है, तो वे पांच दिनों के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कर सकते हैं। अगर जिला निर्वाचन अधिकारी आवेदन का निपटारा नहीं करते हैं, तो मतदाता अगले पांच दिनों के भीतर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार पार्षद को तृणमूल ने छह साल के लिए निलंबित किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उत्तरी बैरकपुर नगरपालिका के पार्षद रवींद्र नाथ भट्टाचार्य को 80 वर्षीय व्यक्ति पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद छह साल के लिए निलंबित कर दिया है।

इस हमले के बाद बुजुर्ग की मौत हो गई थी। तृणमूल के नेता एवं सांसद पार्थ भौमिक ने कहा कि पार्टी ने इस मामले पर कतई बर्दाश्त नहीं करने'' का रुख अपनाते हुए पार्षद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पुलिस ने बताया कि भट्टाचार्य ने वार्ड संख्या 23 में अपने घर के सामने अवैध निर्माण के विरोध में प्रदर्शन कर रहे तुलसी अधिकारी की कथित तौर पर पिटाई की थी। अधिकारी शनिवार को मौके पर ही गिर गए और बैरकपुर छावनी स्थित जगदीश चंद्र बोस अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरबीआई ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2026 की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को केवाईसी-सुरक्षित बैंकिंग की ओर आपका पहला कदम' विषय के साथ वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2026 के 11वें संस्करण की शुरुआत की।

भारतीय रिजर्व बैंक वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए 2016 से हर साल वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम में आरबीआई और नाबार्ड के शीर्ष प्रबंधन और क्षेत्रीय प्रमुखों के साथ ही चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों के प्रमुखों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने सुरक्षित और समावेशी बैंकिंग के लिए केवाईसी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से आग्रह किया कि वे वित्तीय साक्षरता सप्ताह का उपयोग अपने ग्राहकों के बीच केवाईसी और री-केवाईसी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करें। उन्होंने ग्राहकों के खाते खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाने में केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री की भूमिका पर बल दिया। साथ ही उन्होंने केवाईसी से संबंधित धोखाधड़ी तथा खातों के दुरुपयोग के प्रति सतर्क रहने पर भी जोर दिया। आरबीआई ने कहा कि वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2026 का आयोजन देश भर में नौ से 13 फरवरी, 2026 के बीच किया जा रहा है।

वोट के लिए रेवंत रेड्डी 'बेशर्मी से' तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त हैं : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी खुद को रेवंत खान'' बताकर बेशर्मी' से अल्पसंख्यकों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रदेश में होने वाले नगर निगम चुनावों के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार के तहत हैदराबाद से करीब 220 किमी दूर रामागुंडम में एक रोड शो को संबोधित करते हुये केंद्रीय कोयला मंत्री ने मुख्यमंत्री की पहले की विवादित टिप्पणियों को याद किया कि कांग्रेस का मतलब मुसलमान और मुसलमान का मतलब कांग्रेस'' है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि मेरा नाम रेवंत रेड्डी नहीं, बल्कि रेवंत खान है। हम देख सकते हैं कि वह कितनी बेशर्मी से वोटों के लिए इस प्रकार बोल रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने हाल ही में कहा था कि कि अलग-अलग जातियों और समुदायों के लोग उन्हें प्यार से अपनी जाति के नामों से बुलाते हैं, जिसमें रेवंत यादव', रेवंत गौड़' तथा सरदार रेवंत सिंह' शामिल हैं, क्योंकि उन्होंने उनकी भलाई के लिए फैसले किये हैं। इसके बाद केंद्रीय मंत्री का यह बयान आया है।

किशन रेड्डी ने कहा कि पहले बीआरएस और अब कांग्रेस (चुनावी फ़ायदे के लिए) एआईएमआईएम के इशारे पर चल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) ने सरकारी सिंगरेनी कोलियरीज़ का अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करके उसे कमज़ोर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार पर 51,000 करोड़ रुपये का बकाया हैं, जो बीआरएस और कांग्रेस का पाप'' है। किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र की राजग सरकार ने रामागुंडम में एक फर्टिलाइजर संयंत्र लगाया है और भाजपा शहर के लिए और केंद्रीय कोष दिलवाएगी। तेलंगाना में सात नगर निगम और 116 नगर पालिकाओं में 11 फरवरी को चुनाव होंगे।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपी को जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बम्बई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी आकाशदीप करज सिंह को जमानत दे दी। वह इस मामले में जमानत पाने वाला पहला आरोपी है। न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने पंजाब निवासी सिंह को मामले की सुनवाई पूरी होने तक मुंबई न छोड़ने का निर्देश दिया।

बांद्रा ईस्ट इलाके में 12 अक्टूबर, 2024 की रात को तीन हमलावरों ने सिद्दीकी (66) की उनके बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। सिंह (22) को नवंबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी ने जमानत याचिका में दावा किया था कि उसे इस मामले में फंसाया गया है और उस पर लगाए गए आरोप निराधार व अस्पष्ट हैं। सिंह ने दावा किया कि उस पर केवल एक संगठित अपराध गिरोह का सदस्य होने का आरोप है और इस मामले में उसकी कोई विशिष्ट भूमिका नहीं बताई गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने यह भी दलील दी कि इस मामले की सुनवाई निकट भविष्य में शुरू नहीं होगी और बिना सुनवाई के कारावास उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। पुलिस ने इस वर्ष जनवरी में इस मामले में आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अनमोल बिश्नोई ने अपराध गिरोह में भय और वर्चस्व स्थापित करने के लिए सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने इस मामले में 26 लोगों को गिरफ्तार किया है और उन पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया है।

शराब घोटाला: चैतन्य बघेल की जमानत के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार की याचिका पर एक हफ्ते बाद होगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले के मामलों में मिली जमानत को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकार की अपील पर एक सप्ताह बाद सुनवाई करेगा।

चैतन्य बघेल, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे हैं। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को छत्तीसगढ़ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने बताया कि चैतन्य बघेल को जमानत मिलने के बाद मामले के महत्वपूर्ण गवाहों में से एक सामने नहीं आ रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक संबंधित धन शोधन मामले में चैतन्य बघेल की जमानत को अलग से चुनौती दी है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई एक सप्ताह बाद करेगी। न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई की, जिन्हें राज्य में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में पिछले साल दिसंबर में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। चौरसिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि उच्चतम न्यायालय ने पहले भी चौरसिया को उन अन्य मामलों में जमानत दी थी जिनमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

रोहतगी ने कहा, उन्होंने फिर से एक नयी प्राथमिकी दर्ज की और उन्हें दिसंबर में गिरफ्तार कर लिया।'' उन्होंने कहा कि यह छठी बार है जब चौरसिया को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने चौरसिया को जमानत के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर उच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर कर सकती है और उच्च न्यायालय प्राथमिकता के आधार पर उनकी याचिका पर सुनवाई कर दो सप्ताह के भीतर फैसला सुना सकता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के सर्वश्रेष्ठ हित में है : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता भारतीय किसानों के सर्वश्रेष्ठ हित में है और उनके हित पूरी तरह सुरक्षित किये गये हैं। यहां गोवर्द्धन पहाड़ी की परिक्रमा करने आए चौहान ने संवाददाताओं से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि वह भारतीय किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं होने देते।

उन्होंने कहा, ''यह समझौता राष्ट्रीय हित में है। किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है।''

इस समझौते को 'कूटनीति, विकास और गरिमा' का उदाहरण बताते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि कूटनीति का मतलब 'राष्ट्र प्रथम' है। विकास का मतलब भारत की वृद्धि को तेज करने के लिए 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' बनाना है और गरिमा का मतलब किसानों के सम्मान और गौरव की पूरी सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों, महिलाओं और युवाओं की आकांक्षाओं को 'नई उड़ान' देगा, जिससे वे प्रगति और विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकेंगे।

चौहान ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता इस समझौते पर केवल विलाप कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आजादी के समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में छठे स्थान पर थी। विपक्ष के शासनकाल में यह 11वें स्थान पर खिसक गई थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।'' कृषि मंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर विपक्षी नेताओं की 'विदेशी धरती पर राष्ट्र की आलोचना करने' के लिए आलोचना की। चौहान ने कहा, मोदी और भाजपा का विरोध करते-करते उन्होंने अब राष्ट्र का विरोध करना शुरू कर दिया है। हमारे लिए राष्ट्र पहले आता है, मगर उनके लिए राजनीति पहले आती है।''

बेंगलूरु में सोमवार को भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने बेंगलूरु मेट्रो के किराए में बढ़ोतरी के खिलाफ खाली ट्रंक के साथ प्रदर्शन किया। किराया दूरी के हिसाब से एक रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये कर दिया गया है। यह प्रदर्शन बेंगलूरु के आरवी रोड मेट्रो स्टेशन पर किया गया। इससे पूर्व सूर्या ने शहर में सस्ते पब्लिक ट्रांसपोर्ट की मांग की।

भाजपा, जदएस की आलोचना के बाद बेंगलूरु मेट्रो का किराया पुनरीक्षण स्थगित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने रविवार को कहा कि उसने नौ फरवरी को लागू होने वाले वार्षिक किराया पुनरीक्षण के क्रियान्वयन को स्थगित कर दिया है। एक बयान में बीएमआरसीएल ने कहा कि किराए में बदलाव के संबंध में पहले की गई घोषणा को अगले आदेश तक लागू नहीं किया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि अंतिम निर्णय अभी लंबित है।

अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए बीएमआरसीएल ने कहा, पांच फरवरी को जारी मीडिया विज्ञप्ति (जिसमें नौ फरवरी से वार्षिक किराए में बदलाव लागू होने की घोषणा की गई थी) को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। निगम ने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले इस मामले पर उसके बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, बोर्ड की समीक्षा के बाद बदले गए किराए पर निर्णय की जानकारी दी जाएगी। इससे पहले बेंगलूरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को कहा था कि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शहर में प्रस्तावित मेट्रो किराया वृद्धि को अस्थायी रूप से रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

सूर्या ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) में पाई गई विसंगतियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा का आश्वासन भी दिया है और यदि राज्य सरकार अनुरोध करती है तो एक नयी समिति गठित करने पर भी विचार किया जा सकता है। इससे पहले दिन में, सूर्या ने मेट्रो यात्रियों से बातचीत की और किराया वृद्धि पर उनकी राय जानी। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार किराये में बदलाव किए जाने से यात्री नाराज हैं। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार मेट्रो किराया वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

सूर्या ने किराया निर्धारण समिति के गठन की मांग भी की। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मेट्रो किराया वृद्धि के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। मैसूरु में संवाददाताओं से बात करते हुए जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता कुमारस्वामी ने कहा, मेट्रो किराया बढ़ाने के बाद राज्य सरकार इसकी जिम्मेदारी केंद्र पर डाल रही है, जो सही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के किराया वृद्धि लागू न करने के अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार इसे आगे बढ़ाने पर अड़ी हुई है।

कुमारस्वामी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्रीय योजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन को लेकर केंद्र के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने को इच्छुक नहीं है।

इंडिया इंटरनेशनल कॉफी फेस्टिवल 12 फरवरी से

बेंगलूरु। इंडिया इंटरनेशनल कॉफी फेस्टिवल 12 फरवरी से शुरू होने वाला है जिसमें 20,000 से ज़्यादा लोगों के आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तीन दिवसीय फेस्टिवल यहां जयमहल के चामरा वज्र में स्पेशलिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई), कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जाएगा और इसे नेस्केफे, नेस्ले इंडिया द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।अधिकारियों ने कहा कि यह फेस्टिवल भारत के पूरे कॉफी पारिस्थिकी तंत्र को एक ही मंच पर लाता है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सचिव, कुरमा राव एम ने इंडिया इंटरनेशनल कॉफी फेस्टिवल (आईआईसीएफ) को देश का एकमात्र समर्पित कॉफी फेस्टिवल बताया।

उन्होंने कहा कि आईआईसीएफ 2026 में कॉफी उत्पादक, प्रसंस्करणकर्ता, निर्यातक, रोस्टर, उपकरण निर्माता, कैफे ब्रांड, बरिस्ता और उपभोक्ता एक साथ आएंगे। उन्होंने कहा कि एक उद्योग नीत मंच के रूप में, यह फेस्टिवल ऐसे समय में सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान, नवाचार और बाजार तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित करता है जब भारत का कॉफी क्षेत्र गुणवत्ता-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है। राव ने यहां पत्रकारों से कहा, भारतीय कॉफी अपनी गुणवत्ता और विविधता के लिए पहचान बना रही है। आईआईसीएफ जैसे मंच उत्पादकों को बाजारों से जोड़ने, सर्वोत्तम व्यवहार को प्रोत्साहित करने और घरेलू खपत और निर्यात दोनों के दीर्घकालिक विकास का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मांड्या में बनेगा विश्वस्तरीय एआरएआई केंद्र : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा है कि उनके लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र मांड्या में करीब 500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से वैश्विक मानकों वाला 'ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एआरएआई) केंद्र स्थापित किया जाएगा। कुमारस्वामी ने इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ा योगदान और कर्नाटक के ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कुमारस्वामी ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रस्तावित केंद्र के लिए 100 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी और केंद्र ने इसे राज्य सरकार से हासिल करने के लिए कदम उठाए हैं। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, मेरी आकांक्षा है कि गुणवत्ता और उत्कृष्टता का यह विश्वस्तरीय केंद्र मांड्या में स्थापित हो।

उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके लिए भूमि आवंटन का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि एआरएआई केंद्र के लिए बजट में धन पहले ही निर्धारित किया जा चुका है।

किफायती परिवहन की मांग को लेकर प्रदर्शन करने पर भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद तेजस्वी सूर्या को शहर में किफायती सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के दौरान जयनगर मेट्रो स्टेशन पर सोमवार को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्या ने मेट्रो के किराए में बढ़ोतरी के खिलाफ मेट्रो स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया। मेट्रो किराए को दूरी के आधार पर एक रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये कर दिया गया। फिलहाल इस वृद्धि पर रोक लगा दी गई। सूर्या के अनुसार, केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद यह रोक लगी है। सांसद ने खाली बक्से लेकर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि राज्य सरकार के वादे इस बक्से की तरह खाली हैं। यह विरोध प्रदर्शन उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा सूर्या के खिलाफ की गई बयानबाजी के जवाब में भी था। शिवकुमार ने कहा था कि सूर्या एक खोखले बक्से की तरह हैं जो सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय रहते हैं और जमीनी स्तर पर काम नहीं करते। सूर्या ने उन्हें हिरासत में लिए जाने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम किफायती सार्वजनिक परिवहन और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं, सरकार सिर्फ इसलिए हमें गिरफ्तार कर रही है और हिरासत में ले रही है। यह शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़कें, बुनियादी ढांचा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हें गिरफ्तार कर रही है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, केंद्र सरकार के दबाव के कारण मेट्रो किराए में बढ़ोतरी को दूसरी बार रोक दिया गया है। राज्य सरकार को आर्थिक स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

बेंगलूरु हवाई अड्डे के प्रतिबंधित क्षेत्र में पांच जनवरी को बिना अनुमति के विशाल गुब्बारा उड़ाया गया : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विज्ञापन के उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया एक बेहद विशाल गुब्बारा केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) के प्रतिबंधित परिचालन क्षेत्र के भीतर बिना अनुमति के उड़ाया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह विमानन सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन था और इससे सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हुईं।

पुलिस के अनुसार, यह घटना पांच जनवरी को हुई थी, लेकिन इसकी शिकायत आठ फरवरी को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप (एएसजी) के एल. नागेन्द्रन द्वारा दर्ज कराई गई।

शिकायत में नागेन्द्रन ने बताया कि पांच जनवरी को 'बीसीडी कंस्ट्रक्शन' नाम लिखा हुआ एक गुब्बारा केआईए के परिचालन क्षेत्र में बिना अनुमति उड़ता हुआ पाया गया। उन्होंने कहा, जैसे ही यह देखा गया, एएसजी/बीडीडीएस के कर्मियों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि 'बीसीडी कंस्ट्रक्शन' नाम वाला यह गुब्बारा केआईए के रेड जोन/नो फ्लाइंग एरिया (डीजीसीए के दिशा-निर्देशों के अनुसार) में मौजूद था।

शिकायतकर्ता ने बताया कि यह गुब्बारा हवाई अड्डे के निषिद्ध क्षेत्र में पाया गया, जिसे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियमों के तहत रेड जोन घोषित किया गया है, जहां किसी भी प्रकार की उड़ने वाली वस्तु पर सख्त प्रतिबंध है। प्राथमिकी में कहा गया है कि यह कृत्य हवाई अड्डे के निषिद्ध क्षेत्र में डीजीसीए के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

दो सड़क हादसों में छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर/कोलार (कर्नाटक)। कर्नाटक के बीदर और कोलार जिलों में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बीदर जिले के हमनाबाद तालुक में हल्लीखेड़ा के पास नागन्ना चौराहे के निकट रविवार को एक मोटरसाइकिल के पुल से टकरा जाने के कारण एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान राजेश्वर गांव के निवासी वेंकट करतमाल (40), उनकी पत्नी शिल्पा (35) और उनकी बेटी रक्षिता (12) के रूप में हुई है। उनके बेटे दिगंबर (15) को गंभीर चोटें आई हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने कहा, हादसा उस समय हुआ जब ये चारों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे और चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे मोटरसाइकिल पुल से टकरा गई। एक अन्य हादसे में, कोलार जिले के श्रीनिवासपुर में रविवार को एक कार के पलट जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में से दो की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी मुनियम्मा और वेंकटप्पा के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में 10 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें आंध्र प्रदेश के मदनपल्ली स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया, यह हादसा उस समय हुआ जब श्रमिक काम खत्म करके लौट रहे थे। श्रीनिवासपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

हवाई अड्डे पर दो यात्री गांजा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलूरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने अलग-अलग घटनाओं में दो यात्रियों को दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सात फरवरी को बेंगलूरु सीमा शुल्क ने बैंकॉक से आए एक यात्री को रोका और उसके पास से 63 लाख रुपये मूल्य का 1.8 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया। सीमा शुल्क अधिकारियों ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि प्रतिबंधित सामान को एक सूटकेस में छिपाया गया था।

एक अन्य घटना में छह फरवरी को हांगकांग से आ रहे एक यात्री को रोका गया और उसके बैग से 1.76 करोड़ रुपये मूल्य का 5.05 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच जारी है।

केरल भाजपा प्रमुख ने सीतारमण को पत्र लिखकर धान बोनस संबंधी निर्देश वापस लेने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर धान किसानों को दिए जाने वाले अतिरिक्त बोनस को बंद करने के निर्देश को वापस लेने का आग्रह किया। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने धान किसानों के अतिरिक्त बोनस को बंद करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश दिए थे। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पहले ही इस निर्देश की आलोचना करते हुए इसे किसानों तथा राज्य के प्रति केंद्र का शत्रुतापूर्ण रवैया करार दिया है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय में व्यय सचिव वी. वुआलनम ने नौ जनवरी को केरल के मुख्य सचिव ए. जयतिलक को पत्र लिखकर राज्य से अपनी मौजूदा बोनस नीति की समीक्षा करने और अतिरिक्त प्रोत्साहन को बंद करने पर विचार करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि चावल का भंडार सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आवश्यकता से अधिक हो गया है, जिससे सार्वजनिक खजाने को एक बड़े और बार-बार पड़ने वाले बोझ का सामना करना पड़ रहा है।

चंद्रशेखर ने सीतारमण को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने धान किसानों की, खासकर उत्पादन लागत, खरीद तंत्र और विपणन समर्थन से जुड़ी चिंताओं को नजरअंदाज किया है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार धान किसानों को समय पर और पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने में विफल रही है जिससे कई किसान खेती के खर्चों को पूरा करने के मकसद से निजी साहूकारों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर हैं, जिससे कर्ज का बोझ बढ़ रहा है और गंभीर वित्तीय संकट उत्पन्न हो रहा है।''

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि केरल सरकार ने धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा कोई अतिरिक्त बोनस घोषित नहीं किया है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि केरल सरकार धान किसानों को समय पर और पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने में विफल रही है, वहीं मुख्यमंत्री विजयन और कृषि मंत्री पी प्रसाद ने पहले कहा था कि राज्य धान की खरीद के लिए प्रति किलोग्राम 6.31 रुपये अतिरिक्त प्रदान करता है।

विरोध प्रदर्शन

सोमवार को बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर गेज्जालगेरे गांव को नगर पालिका में शामिल करने के विरोध में गांववालों और स्थानीय किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया।

स्टालिन ने तमिलनाडु में टाटा संयंत्र का किया उद्घाटन, पहली रेंज रोवर ईवोक चलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जिले के पनपक्कम में टाटा मोटर्स जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) कारखाने का सोमवार को उद्घाटन किया और पहली रेंज रोवर ईवोक' कार चलाई।

चेन्नई से करीब 90 किलोमीटर दूर सिपकोट परिसर में स्थित विनिर्माण इकाई में मुख्यमंत्री ने टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को साथ वाली सीट पर बैठाकर कुछ दूरी तक पहली कार चलाई। यह 400 एकड़ भूमि में फैला संयंत्र देश में अपनी तरह की

पहली इकाई है, जहां जेएलआर के लक्जरी मॉडल का विनिर्माण किया जाएगा।

इस 9,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए समझौता मार्च 2024 में किया गया था। उसी वर्ष सितंबर में इसका शिलान्यास हुआ। सोमवार को जेएलआर कारखाने से पहली कार निकली जो मेक इन तमिलनाडु'' पहल की दिशा में एक अहम कदम है। राज्य के उद्योग मंत्री टी. आर. बी. राजा ने कहा कि यह संयंत्र 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देगा।

टाटा मोटर्स ने इस पहल को स्वदेशी विनिर्माण (मेक इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड) को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जहां विश्वस्तरीय उत्पादन सुविधा में कारों और एसयूवी का विनिर्माण किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि पनपक्कम में स्थापित नए संयंत्र में टाटा मोटर्स और जेएलआर के लिए अगली पीढ़ी के वाहनों का उत्पादन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित यह संयंत्र घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा।

हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अद्भुत क्षमता है। प्रदेश की पहाड़ी, वन, औषधीय पौधे इसके साक्षी हैं कि यहां की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन तथा जनमानस में उसके व्यापक उपयोग के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह में अपने उद्बोधन के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1976 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एक महाविद्यालय के रूप में आरंभ होकर आज देश के प्रमुख डीम्ड टू बी आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित हो गया है। राजस्थान की धरती पर स्थापित इस संस्थान ने पचास वर्षों में जिस ऊंचाई, प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राप्त किया है, वह प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा – इन चारों स्तंभों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पांच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद और योग की प्रमुख भूमिका रही है। आयुर्वेद के माध्यम से हम यह पहले से ही जान लेते हैं कि कौन से महीने में कौन सी बीमारी होगी और उसका उपचार कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि वेदों के साथ हमारे ऋषियों ने आयुर्वेद के माध्यम से मानव जीवन को समझा है। चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट जी जैसे महान वैद्यों ने इस विद्या को व्यवस्थित रूप दिया। उन्होंने कहा कि चरक संहिता में कहा गया है कि स्वस्थ शरीर धर्म का प्रथम साधन है। सुश्रुत को आज पूरा विश्व शल्य चिकित्सा का जनक मानता है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना 'भारत में उपचार और भारत द्वारा उपचार' है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की गई। जिससे आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपने प्रयासों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित कराया। इससे न केवल योग, बल्कि पूरी भारतीय चिकित्सा परंपरा को विश्व मंच पर पहचान मिली। आयुर्वेद अनुसंधान में निवेश बढ़ाया गया, आयुर्वेद संस्थानों का विस्तार किया गया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्षों में आयुर्वेद के लिए नए आयुर्वेद चिकित्सालय, महाविद्यालय एवं डिस्पेंसरी की स्थापना से सुलभ चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की गई। स्नातक-स्नातकोत्तर सीटों में वृद्धि, आधुनिक लैब, ड्रग-स्टैंडर्डाइजेशन यूनिट और शिक्षण-फार्मेसी को सुदृढ़ किया गया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद अस्पतालों का विस्तार, पंचकर्म इकाइयों का सुदृढ़ीकरण, दवाखानों का आधुनिकीकरण, शिक्षा एवं अनुसंधान के नए अवसर सहित विभिन्न निर्णयों से आयुर्वेद को जन-स्वास्थ्य की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने एनआईए के लिए जयपुर में जमीन आवंटित करने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय और राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रताप राव जाधव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की 50 वर्ष की यह यात्रा केवल समय की गणना नहीं है, बल्कि उन असंख्य चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, और कर्मयोगियों की अटूट निष्ठा, समर्पण और तपस्या का प्रतीक है, जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी आयुर्वेद के दीपक को प्रज्वलित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोगों की असंतुलित जीवनशैली के कारण मधुमेह, विटामिन बी 12 एवं डी की कमी जैसी अनेक बीमारियां पनप रही हैं। इन बीमारियों के निदान के लिए योग एवं आयुर्वेद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शक्तिशाली नेतृत्व में हमारी सरकार का विजन स्पष्ट है परंपरा की जड़ों में विज्ञान का संरक्षण और कल्याण की शाखाओं का विस्तार। भारत सरकार का उद्देश्य केवल रोग का उपचार करना ही नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त और संतुलित व्यवस्था का निर्माण करना है। उन्होंने इस वर्ष के बजट में आयुर्वेद के तीन नए अखिल भारतीय संस्थान सहित सभी घोषणाओं के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में आयुष के क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्य की भी सराहना की। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना लाकर आयुर्वेद और योग के माध्यम से आरोग्य ग्राम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व को आयुर्वेद और योग भारत की देन है। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल आयुष मिशन में वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के तहत राजस्थान को देश में सर्वाधिक 348 करोड़ रुपए आवंटित किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने एनआईए परिसर में नवनिर्मित ओपीडी सुश्रुत भवन का लोकार्पण किया। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विधायक बालमुकुन्द आचार्य, केन्द्रीय आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, एनसीआईएसएम अध्यक्ष डॉ. मनीषा कोटेकर, प्रमुख शासन सचिव आयुष सुबीर कुमार, एनआईए कुलपति प्रो. संजीव शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर रसायन से भरे टैंकर में लगी आग

जयपुर जयपुर में सोमवार तड़के रसायन से भरे एक टैंकर में भीषण आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उसने बताया कि घटना तड़के करीब पौने पांच बजे जयपुरअजमेर राजमार्ग पर रामचंद्रपुरा पुलिया के पास की है जब जयपुर की ओर जा रहे मिथाइल रसायन से भरे एक टैंकर में भीषण आग लग गई, जिससे टैंकर का निचला हिस्सा जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि चलते टैंकर में आग लगते देख राहगीरों ने चालक को आगाह किया, जिसके बाद चालक ने तुरंत टैंकर को पुलिया पर रोक दिया और नीचे उतर गया। सूचना मिलने पर भांकरोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया।

जिला एकेडमिक रैंकिंग में झुंझुनू पहले स्थान पर

जयपुर। राजस्थान के स्कूल शिक्षा विभाग ने जनवरी 2026 की जिला एकेडमिक रैंकिंग जारी की है जिसमें झुंझुनू जिला पहले स्थान पर रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, यह रैंकिंग सभी जिलों के शैक्षणिक परिणामों, विद्यालयों के दैनिक संचालन और शासन संकेतकों में प्रदर्शन का समग्र आकलन करती है। ताजा रैंकिंग में झुंझुनूं और हनुमानगढ़ शीर्ष जिलों में शामिल रहे हैं जबकि चूरू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।विभाग के सचिव (शासन) कृष्ण कुणाल ने बताया कि इस रैंकिंग में छात्रों की नियमित उपस्थिति, कक्षा में शिक्षण की गुणवत्ता व शैक्षणिक मूल्यांकन में विद्यार्थियों के प्रदर्शन जैसे प्रमुख मानकों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सीखने के परिणामों पर बढ़ते जोर और उच्च स्तर पर नियमित प्रदर्शन समीक्षाओं के साथ जिला रैंकिंग स्कूल शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही, लक्षित सहयोग और निरंतर सुधार लाने का एक प्रभावी माध्यम बन रही है। इस वर्ष शैक्षणिक रूप से सीखने के परिणामों को औपचारिक रूप से रैंकिंग का हिस्सा बनाया गया है। इसमें अन्य बातों के साथ ही बोर्ड परीक्षा के नतीजों को विशेष महत्व दिया गया है ताकि जिलों का प्रदर्शन न केवल प्रशासनिक दक्षता बल्कि शैक्षणिक प्रभाव को भी दर्शा सके।

सरकारी स्कूल के शिक्षक ने आत्महत्या की

जयपुर। अलवर जिले के निर्भयपुरा गांव में रविवार को सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बद्दन लाल के रूप में हुई है। वे पिछले 25 वर्षों से सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ढेलावास में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और पांच महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। उनका शव घर से लगभग 100 मीटर दूर एक पशु बाड़े में बने टिन शेड में फंदे से लटका मिला। अकबरपुर थाना प्रभारी सीमा सिंसिनवार ने बताया कि शव को अलवर जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। उन्होंने कहा कि परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से चार पन्नों का एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें शिक्षक ने लंबे समय से चली आ रही बीमारी, काम का भारी दबाव, परीक्षाओं और पंचायत चुनावों से जुड़ा दबाव, तथा स्कूल के अन्य कर्मियों के असहयोगात्मक रवैये और मानसिक उत्पीड़न का जिक्र है। थाना प्रभारी ने बताया कि सुसाइड नोट और अन्य साक्ष्यों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पेंशन विभाग का एएओ 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज जयपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए पेंशन विभाग के एक अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी राजेश कुमार खण्डेलवाल, जो लालकोठी स्थित पेंशन विभाग में अतिरिक्त सहायक लेखाधिकारी के पद पर तैनात है, को 10,000 रुपये की घूस लेते हुए हिरासत में लिया गया। माता की पेंशन और एरियर के नाम पर मांगे पैसे एसीबी मुख्यालय को मिली शिकायत के अनुसार, परिवादी के पिता की मृत्यु के बाद उसकी माता को पूर्ण पेंशन नहीं मिल पा रही थी। इस समस्या के समाधान और पूरी पेंशन शुरू करने की एवज में आरोपी राजेश खण्डेलवाल ने 10,000 रुपये की मांग की थी। इतना ही नहीं, आरोपी ने पूर्व का बकाया एरियर पास करने के बदले कुल एरियर राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा रिश्वत के रूप में मांगा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी जयपुर नगर चतुर्थ इकाई ने जाल बिछाया। एसीबी जयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक (द्वितीय) आनंद शर्मा के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञानप्रकाश नवल के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस निरीक्षक रामजी लाल एवं उनकी टीम ने आरोपी राजेश खण्डेलवाल को परिवादी से 10,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी ने रिश्वत की राशि मौके से बरामद कर ली है। एसीबी के महानिरीक्षक सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और इस मामले में अन्य किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत की भी जांच की जा रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और अग्रिम अनुसंधान जारी है।

आधुनिक अध्ययन सुविधाओं से लैस होंगे अटल ज्ञान केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सचिवालय में अटल ज्ञान केंद्र योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित किए जा रहे अटल ज्ञान केंद्रों को ग्रामीण युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, डिजिटल साक्षरता और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों में निर्धारित अधोसंरचना, डिजिटल सुविधाएं एवं अध्ययन संसाधन समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएं तथा कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि योजना के प्रथम चरण में लक्षित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर निर्माणाधीन एवं पूर्ण किए जा चुके कार्यों की प्रगति की सतत समीक्षा की जाए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अटल ज्ञान केंद्रों का संचालन इस प्रकार किया जाए कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगा राम ने बताया कि प्रत्येक केंद्र में ई-लाइब्रेरी, समसामयिक विषयों की पत्र-पत्रिकाएं, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों, तार्किक एवं आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने वाली सामग्री, स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित साहित्य, बहुभाषी समाचार-पत्र एवं ई-मित्र सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चरणबद्ध रूप से अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले 2056 ग्राम पंचायत मुख्यालयों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 1 हजार 687 अटल ज्ञान केंद्रों को वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है, जिनमें से 508 केंद्रों पर कार्य प्रगति पर है तथा 243 अटल ज्ञान केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

जल संरक्षण कार्यों में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित हो : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि जल संरक्षण योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए प्लांटेशन की समुचित योजना पहले से ही तैयार करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने जलागम क्षेत्रों की स्पष्ट सीमांकन प्रक्रिया को भी समय पर पूरा करने तथा सभी स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 (जलग्रहण विकास घटक) एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान द्वितीय चरण की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये।

उन्होंने कहा कि भूमि एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाए, जिससे वर्षा आधारित खेती को मजबूती मिले और किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिल सके। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि परियोजना क्षेत्रों में फसल पैटर्न में आए बदलाव, एक फसली क्षेत्र से दो फसली क्षेत्र में परिवर्तन तथा खेती योग्य भूमि में हुए सुधार का आकलन किया जाए।

बैठक में राज्य में जलग्रहण विकास के तहत भूमि संरक्षण, जल संचयन और कृषि सुधार से जुड़े विभिन्न कार्यों के संबंध में भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि तालाब, चेकडैम, परकोलेशन टैंक, कंटूर ट्रेंच, टांका, तालाबों का नवीनीकरण तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों से भूजल स्तर में सुधार होने के साथ-साथ खेती और आजीविका के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने इन कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिये।

विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 (चगड- 2.0) के अंतर्गत गांवों में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके तहत बड़ी संख्या में गांवों का चयन कर लाखों हेक्टेयर क्षेत्र को उपचारित किया जा रहा है, जिससे सूखे और जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है। बैठक में जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वन और वन्य जीवों के साथ-साथ आदिवासियों के हितों को भी मिलेगा संरक्षण : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 9 एवं 10 फरवरी 2026 को सचिवालय नर्सरी, जयपुर में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय वन मेले का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के साथ-साथ आदिवासियों के हितों की रक्षा के उद्देश्य के साथ वन मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से वनों से मिलने वाली औषधियों एवं एवं अन्य वन्य उत्पादों को बाजार मिलेगा और अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर आदिवासियों एवं अन्य व्यक्तियों को आर्थिक संबल मिलेगा।

उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा उदयपुर, कोटा की तर्ज पर सर्वप्रथम संभाग स्तरीय तथा उसके पश्चात जिला स्तरीय वन मेलों का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा जयपुर में राष्ट्र स्तरीय वन मेले का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान उन्होने आरएफबीडीपी परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित स्वयं सहायता समूहों की आजीविका संवर्धन मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख पवन कुमार उपाध्याय ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के मेले आयोजित करने का उद्देश्य वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के साथ-साथ वनों में उत्पादित औषधियों एवं अन्य वन्य उत्पादों के क्रय से जीविका उपार्जित करने वाले आदिवासियों एवं अन्य व्यक्तियों को बाजार उपलब्ध कराना है।

मेले में राजस्थान के विभिन्न जिलों जैसे उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, चूरू, करौली, अलवर, टोंक, दौसा, सवाई माधोपुर, जयपुर, कोटा, बारां, प्रतापगढ़, राजसमंद, बीकानेर, झालावाड़ आदि से वन मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, राजीविका के स्वयं सहायता समूह, गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य संस्थाओं द्वारा भागीदारी की गई है। मेले में लगाए जाने वाले स्टॉल्स पर राजस्थान एवं अन्य क्षेत्रों के वन उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। जिनमें प्रमुख रूप से शहद एवं जामुन आधारित उत्पाद, लाख, गोंद एवं जड़ी-बूटी उत्पाद, औषधीय एवं सुगंधित पौधे, एलोवेरा उत्पाद, हर्बल साबुन, फेस पैक, हेयर ऑयल आदि, बांस एवं बांस से निर्मित वस्तुएं (तीर-कमान सहित), लकड़ी हस्तशिल्प एवं कावड़ कला उत्पाद, मिलेट आधारित खाद्य पदार्थ (बिस्किट, लड्डू, नमकीन, पेय पदार्थ आदि), मसाले, अचार, अमला कैंडी , आमचूर पाउडर, नीम उत्पाद, गौ-काष्ठ एवं जैव उर्वरक, मंडाना जनजातीय कला एवं वन्यजीव संरक्षण से संबंधित कलात्मक सामग्री, बीज, पौध सामग्री एवं नर्सरी उत्पाद, थार क्षेत्र के विशेष उत्पाद जैसे कैर, सांगरी एवं अन्य लघु वनोपज, पंच गौरव उत्पाद सहित करीब 52 स्टॉल्स लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों द्वारा टॉक शो एवं संवाद सत्रों के माध्यम से वन एवं पर्यावरण संरक्षण, वन संसाधनों के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, वन उत्पादों से आजीविका, पर उपयोगी जानकारी प्रदान की जा रही है। यह मेला विद्यार्थियों, प्रकृति प्रेमियों, शोधार्थियों एवं आमजन के लिए वन एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक जयपुर रामकरण खेरवा ने सभी अथितियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनन्द कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुराग भारद्वाज, प्रधान मुख्य वन संरक्षक शिखा मेहरा सहित वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण को लेकर आमजन में आई चेतना सराहनीय: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यावरण को लेकर आमजन में बढ़ी चेतना को सराहनीय बताते हुए सोमवार को कहा कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का सख्ती से पालन किया जाना जरूरी है। गहलोत ने राजस्थान में हाल के 'अरावली बचाओ आंदोलन' और 'खेजड़ी बचाओ आंदोलन' की ओर इशारा करते हुए एक बयान में कहा, ''पर्यावरण को लेकर जो चेतना आमजन में आई है, वह सराहनीय है। अब वक्त आ गया है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का सख्ती से पालन कराया जाए।'' उन्होंने कहा, ''बीकानेर से 'खेजड़ी बचाओ आंदोलन' की जो शुरुआत हुई है, वह प्रदेश के लिए बेहद शुभ संकेत है। चाहे वह बिश्नोई समाज हो, अन्य प्रदेशवासी हों या संत समाज-सभी बधाई के पात्र हैं।...बिना पर्यावरण के हम आने वाली पीढ़ियों को क्या जवाब देंगे?'' अमृता देवी की अगुवाई में हुए ऐतिहासिक आंदोलन को याद करते हुए गहलोत ने कहा कि उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे, तभी पर्यावरण बचाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा, ''विकास अपने आप में महत्वपूर्ण है, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन अगर विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं रहेगा तो स्थिति बिगड़ेगी और प्रदूषण बढ़ेगा।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आज पूरे समाज में पर्यावरण की महत्ता महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने समय में ही इस समस्या को पहचान लिया था और विश्व स्तर पर पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया था, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। बीकानेर में हाल में हुए 'खेजड़ी बचाओ महापड़ाव' का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि केवल बीकानेर में आंदोलन करने से काम नहीं चलेगा, लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों में संगोष्ठियां और चर्चाएं आयोजित कर पर्यावरण के महत्व व प्रदूषण से निपटने के उपायों के बारे में जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार पर दबाव बनाना भी जरूरी है। गहलोत ने कहा, ''सरकार ने जो वादे किए हैं, उन्हें निभाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री को स्वयं हस्तक्षेप कर बातचीत करनी चाहिए, तभी कोई समाधान निकलेगा।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार 'पेड़ संरक्षण अधिनियम' बनाने पर भी जल्द निर्णय लेगी।

भरतपुर में नाबालिग छात्र ने की खुदकुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भरतपुर में एक नाबालिग विद्यार्थी ने छात्रावास में कथित तौर फंदा लगाकर पर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मामला मथुरा गेट थाना क्षेत्र के एक सरकारी छात्रावास का है, जहां 12वीं कक्षा के एक विद्यार्थी ने रविवार रात कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी रात में छात्रावास के हॉल में अकेला था। सुबह जब रसोइया उसे नाश्ता देने पहुंचा तो उसने छात्र का शव फंदे से लटका पाया। अधिकारी ने बताया कि विद्यार्थी रविवार को ही अपने घर से छात्रावास लौटा था और 13 फरवरी से उसकी बोर्ड परीक्षाएं शुरू होनी थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार समस्याओं को समाधान तक पहुंचाने में विश्वास रखती है: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार समस्याओं को समाधान तक पहुंचाने में विश्वास रखती है और इसी रास्ते पर चलते हुए उत्तर प्रदेश को विकास को आगे बढ़ाने में सफलता मिली है।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानसभा के सभागार में विधान परिषद और विधानसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियों का ब्योरा दिया।

इस दौरान राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विधान भवन के अंदर और बाहर विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

सपा सदस्यों के विरोध के बीच राज्यपाल ने करीब 30 मिनट में अपना अभिभाषण पूरा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं और इस दौरान सपा सदस्य लगातार विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। राज्यपाल ने सपा सदस्यों से नारेबाजी बंद कर अपनी-अपनी सीट पर बैठने का तीन बार आग्रह किया, लेकिन विरोध जारी रहा।

अपने अभिभाषण में पटेल ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ प्रदेश में लगभग छह करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों के अनुरूप उनकी सरकार गरीबी खत्म के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए 2026 को अंत्योदय, सामाजिक न्याय और सर्व-समावेशी लोक कल्याण का सशक्त प्रतीक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल ने कहा, विकसित उत्तर प्रदेश-204%' की परिकल्पना को साकार करने के दृढ़ संकल्प के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है।'' उन्होंने यह भी कहा कि विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश-2047' दृष्टिकोण के लिए राज्य विधानमंडल में अत्यंत उपयोगी चर्चा की गई है।

अपने 55 पन्नों के अभिभाषण में राज्यपाल ने 201% के बाद से प्रदेश में सुशासन, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचे के विस्तार, निवेश, रोजगार सृजन और जनकल्याणकारी क्षेत्रों में सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का भाषण पर परा से हटकर वास्तविक होता तो यह बेहतर होता: मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का भाषण परम्परा से हटकर राज्य के विकास एवं सर्वसमाज के उत्थान समेत व्यापक जनहित में वास्तविक एवं थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। मायावती ने 'एक्स' पर लिखा,उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल द्वारा विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किये जाने की संसदीय परम्परा से शुरू हुआ, किन्तु उनका यह भाषण परम्परा से हटकर प्रदेश के विकास एवं सर्वसमाज के उत्थान समेत व्यापक जनहित में वास्तविक एवं थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता।''

उन्होंने कहा,वास्तव में पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के करोड़ों लोग सरकार की ग़लत नीतियों एवं कार्यकलापों से त्रस्त हैं। उन्हें गरीबी एवं बेरोजगारी आदि के कारण अनेकों प्रकार की कठिन पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किन्तु इन सबसे ज़्यादा उन्हें अपने जान-माल एवं मजहब की ज़्यादा चिन्ता सता रही है, जिसके प्रति राज्यपाल को सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था ताकि प्रदेश की जनता के साथ-साथ विपक्ष को भी थोड़ा आश्वासन मिलता। ऐसा न होने कारण ही राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष की नारेबाजी होती रही तथा हंगामा भी होता रहा।''

बसपा ने कहा कि राज्यपाल के सम्बोधन में भाजपा सरकार के जनहित एवं जनकल्याण सम्बंधी बड़े-बड़े दावों, आश्वासनों, घोषणाओं एवं वादों आदि को पूरा करने का विवरण नहीं होना लोगों के लिए चिन्ताजनक है, जिसका आगामी बजट भाषण में समायोजन करना उचित होगा।

बजट सत्र के पहले दिन उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने योगी आदित्यनाथ सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने विधानसभा के अंदर और बाहर विभिन्न मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन किया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ धारण करेंगे कान्हा की भूमि से भेजे व एवं श्रृंगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ एवं माता पार्वती कान्हा की भूमि से भेजे गए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री प्रतीकात्मक रूप से धारण करेंगे तथा फलों एवं मिठाई का भोग लगाएंगे। यह जानकारी श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने सोमवार को यहां दी।

उन्होंने बताया कि रविवार को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भगवान शिव एवं मां गौरी के वस्त्र, मां का श्रृंगार, आभूषण, इत्र इत्यादि तथा लड्डू, मेवे एवं फल भोग लगाने के लिए भेजे गए। उन्होंने बताया कि यह सब सामग्री रविवार को ढोल, मृदंग, मंजीरे, बैंड-बाजा आदि की मंगल ध्वनि के बीच शोभायात्रा के रूप में अन्नपूर्णेश्वर महादेव से प्रारंभ होकर भगवान श्रीकेशवदेवजी, मां योगमायाजी, श्रीगर्भ-गृहजी होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार से बाबा विश्वनाथ के धाम वाराणसी के लिए रवाना की गई थी, जो वहां पर सकुशल पहुंच चुकी है। शर्मा एवं चतुर्वेदी ने बताया कि यह दिव्य प्रसाद सामग्री भेजने का नवाचार काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण के परामर्श से धार्मिक समन्वय की पहल के रूप में किया जा रहा है तथा इसे महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ और माता पार्वती को भेंट किया जाएगा। महाशिवरात्रि पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम के बीच यह धार्मिक समन्वय भगवान श्रीकृष्ण और भगवान शिव के करोड़ों भक्तों को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करेगा। शर्मा एवं चतुर्वेदी ने कहा कि शास्त्रों और पुराणों में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है, यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का प्रतीक है तथा ऐसी

उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के पहले दिन विधान भवन के बाहर सपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर विधान भवन के मुख्य द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी सदस्य विधान भवन परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करते हुए सरकार के विरोध में नारेबाजी करते दिखे।

सपा सदस्य हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विधानसभा के अंदर से चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और इस दौरान सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं विधान परिषद सदस्य राजेंद्र चौधरी ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है।

समाजवादी पार्टी सदस्य विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर मुखर थे। विपक्षी दल के सदस्य हाथों में सबको हक, सबको अधिकार, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की ही बहेगी बयार'', युवा को काम दिलाओ, बेरोजगारी हटाओ'' और विकास के नाम पर विनाश, भाजपा से नहीं है कोई आस'' जैसे नारे लिखी तख्तियां थीं।

सपा सदस्यों के पहुंचने से पहले वहां राज्यपाल की अगवानी और गार्ड ऑफ ऑनर' के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, लेकिन सपा सदस्य पुलिस घेरा पार करते हुए प्रतिमा स्थल तक पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

चीनी मांझे व मोबाइल से आपको पूरी तरह दूर रहना है: योगी की बच्चों से अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बच्चों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें चीनी मांझे से पूरी तरह दूर रहना चाहिए और उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह भी दी।

योगी आदित्यनाथ ने बच्चों के नाम लिखा पत्र एक्स' पर साझा करते हुए कहा, आपकी सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफलता हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज वह बच्चों के साथ तीन महत्वपूर्ण बातें साझा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, आकाश में ऊंची उड़ती पतंग सभी को अच्छी लगती है। आपको भी पतंग उड़ाने में मजा आता होगा, लेकिन चाइनीज (चीनी) मांझे से आपको पूरी तरह दूर रहना है।

पत्र में उन्होंने कहा कि तेज धार वाले इस मांझे का उपयोग कानूनन अपराध है और पूरे प्रदेश में इसके उपयोग, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि इससे होने वाली जनहानि को देखते हुए पूरे प्रदेश में इसके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि वे न तो स्वयं इसका उपयोग करें और न ही दूसरों को करने दें, बल्कि अपने दोस्तों को भी इसके खतरों के प्रति जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने कहा, मोबाइल बच्चों का कीमती समय चुरा रहा है। मोबाइल पर गेम खेलना और रील देखना कई-कई घंटों तक जारी रहता है, जिससे आंखें कमजोर होती हैं, एकाग्रता भंग होती है और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।'' उन्होंने सलाह दी, मोबाइल की जगह बच्चों को किताबों से दोस्ती करनी चाहिए। परिवार के साथ समय बिताना, खेलना और पढ़ाई पर ध्यान देना अधिक लाभकारी है।'' मुख्यमंत्री ने आने वाली परीक्षाओं के लिए बच्चों को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को परीक्षा कक्ष में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करने, प्रश्नपत्र को ध्यान से पढने की सलाह दी और कहा कि अनुशासन में कोई कमी न रखें तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

हिमंत विश्व शर्मा ने गौरव गोगोई से 'रावलपिंडी' यात्रा को लेकर स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले की उनकी यात्रा को लेकर स्पष्टीकरण की सोमवार को मांग की और जोर देकर कहा कि उनके वीजा में स्पष्ट रूप से केवल लाहौर, कराची और इस्लामाबाद की यात्रा की अनुमति थी। शर्मा ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के आव्रजन नियमों के तहत, वीजा द्वारा निर्धारित शहरों से बाहर यात्रा करना विशेष अनुमति के बिना प्रतिबंधित है।

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस सांसद की एक प्रेस वार्ता के बीच आई है। गोगोई ने कहा कि उन्होंने उचित अनुमति लेकर अपनी पत्नी के साथ पाकिस्तान के तक्षशिला का दौरा किया था।

शर्मा और गोगोई के बीच जुबानी जंग जारी है, जिसमें शर्मा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता और उनके परिवार के पाकिस्तान से संबंध हैं। गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि उनकी पत्नी 2013 में काम के सिलसिले में पाकिस्तान गई थीं और वह उसी साल दिसंबर में पड़ोसी देश की 10 दिवसीय यात्रा पर उनके साथ गए थे। जब प्रेस वार्ता चल ही रही थी तभी शर्मा ने दावा किया कि गोगोई ने एक ऐसा खुलासा किया जिसकी उन्हें पहले से जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा, तक्षशिला इस्लामाबाद में नहीं, बल्कि पंजाब के रावलपिंडी जिले में स्थित है। यह तथ्य एक गंभीर और अपरिहार्य प्रश्न खड़ा करता है। यदि उनके पाकिस्तान वीजा में स्पष्ट रूप से केवल लाहौर, कराची और इस्लामाबाद की यात्रा की अनुमति थी, तो उन्होंने तक्षशिला की यात्रा कैसे की, जो इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र से बाहर और रावलपिंडी जिले के भीतर स्थित है? शर्मा ने कहा, तो सवाल सीधा, तथ्यात्मक और जायज़ है: रावलपिंडी जिले के लिए वीजा मंजूरी न होने के बावजूद किसने उन्हें तक्षशिला जाने में मदद की?

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन अपने गृह नगर पटना पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को अपने गृह नगर पटना पहुंचे जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

पार्टी के शीर्ष पद पर नियुक्ति के बाद वह पहली बार यहां पहुंचे हैं। नवीन के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता हवाई अड्डे पर मौजूद रहे। भाजपा अध्यक्ष हवाई अड्डे से सीधा करीब सात किलोमीटर दूर बापू सभागार पहुंचे, जहां भाजपा की प्रदेश इकाई की ओर से उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सैकड़ों मोटरसाइकिलों

पर सवार भाजपा कार्यकर्ता केसरिया पगड़ी पहने और पार्टी के झंडे लहराते हुए उनके काफिले के साथ चल रहे थे। इस दौरान लाउडस्पीकर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की प्रशंसा वाले भोजपुरी गीत बजाए जा रहे थे। नितिन नवीन शाम को बिहार से पार्टी के सांसदों और विधानसभा के सदस्यों की बैठक ले सकते हैं। बांकीपुर से विधायक नवीन ने पिछले वर्ष दिसंबर में उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद मंत्री पद छोड़ दिया था, हालांकि उन्होंने अपनी विधानसभा सीट बरकरार रखी है। वह मंगलवार को विधानसभा सत्र में भी शामिल होंगे।

अमरावती को तीन साल में 'सबसे रहने योग्य शहर' बना देंगे : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि अमरावती को अगले तीन वर्षों में सबसे रहने योग्य शहर'' के रूप में तब्दील किया जाएगा। सचिवालय में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अमरावती को कब्रिस्तान और रेगिस्तान'' कहते हैं।

बैठक में राज्य के मंत्री और सचिव भी शामिल हुए। नायडू ने कहा, कुछ लोगों ने अमरावती को कब्रिस्तान और रेगिस्तान कहा है ,लेकिन हम इसे तीन साल में सबसे रहने योग्य शहर बना देंगे।

राज्य सरकार की विभिन्न पहल और योजनाओं को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के बीच मांग-आधारित फसलें उगाने के लिए जागरूकता पैदा की जा रही है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि सरकार किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए भी कदम उठा रही है। नायडू के अनुसार, अन्य पहल के अलावा सिंचाई पर अब तक 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

मणिपुर : उग्रवादियों ने कई मकानों में आग लगायी, उखरुल में तनाव पैदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के उखरुल जिले में सशस्त्र उग्रवादियों ने कई मकानों में कथित तौर पर आग लगा दी। यह घटना तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर लोगों के एक समूह द्वारा हमला'' किए जाने के बाद इलाके में तनाव बढ़ने के बीच हुई।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों द्वारा आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया।

तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लिटान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। जिले के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' से कहा, नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।''

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सभी समुदायों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की।

चीनी मांझे और मोबाइल से आपको पूरी तरह दूर रहना है: योगी आदित्यनाथ की बच्चों से अपील

लखनऊ, नौ फरवरी (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बच्चों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें चीनी मांझे से पूरी तरह दूर रहना चाहिए और उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह भी दी।

योगी आदित्यनाथ ने बच्चों के नाम लिखा पत्र एक्स' पर साझा करते हुए कहा, आपकी सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफलता हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज वह बच्चों के साथ तीन महत्वपूर्ण बातें साझा करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आकाश में ऊंची उड़ती पतंग सभी को अच्छी लगती है। आपको भी पतंग उड़ाने में मजा आता होगा, लेकिन चाइनीज (चीनी) मांझे से आपको पूरी तरह दूर रहना है।

पत्र में उन्होंने कहा कि तेज धार वाले इस मांझे का उपयोग कानूनन अपराध है और पूरे प्रदेश में इसके उपयोग, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध है।

उन्होंने कहा कि इससे होने वाली जनहानि को देखते हुए पूरे प्रदेश में इसके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि वे न तो स्वयं इसका उपयोग करें और न ही दूसरों को करने दें, बल्कि अपने दोस्तों को भी इसके खतरों के प्रति जागरूक करें।

मुख्यमंत्री ने कहा, मोबाइल बच्चों का कीमती समय चुरा रहा है। मोबाइल पर गेम खेलना और रील देखना कई-कई घंटों तक जारी रहता है, जिससे आंखें कमजोर होती हैं, एकाग्रता भंग होती है और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।''

उन्होंने सलाह दी, मोबाइल की जगह बच्चों को किताबों से दोस्ती करनी चाहिए। परिवार के साथ समय बिताना, खेलना और पढ़ाई पर ध्यान देना अधिक लाभकारी है।''

मुख्यमंत्री ने आने वाली परीक्षाओं के लिए बच्चों को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को परीक्षा कक्ष में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करने, प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ने की सलाह दी और कहा कि अनुशासन में कोई कमी न रखें तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

सुविचार

सफलता कभी भी बैठे-बिठाए नहीं मिलती उसको पाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनसंख्या असंतुलनः क्या है समाधान?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने जनसंख्या असंतुलन के लिए जिम्मेदार तीन प्रमुख कारकों – धर्मांतरण, घुसपैठ और कम जन्म दर – का उल्लेख कर एक बड़ी समस्या से आगाह किया है। पिछले 300 वर्षों में भारत के जिन इलाकों में जनसंख्या असंतुलन हुआ, वहां सद्भाव खतरे में पड़ा, जिसका नतीजा विभाजन के रूप में सामने आया। धर्मांतरण को सिर्फ सरकारों के भरोसे नहीं रोका जा सकता। हिंदू समाज को अपने अंदर चेतना जगानी होगी। 'मैं' और 'मेरा' से ऊपर उठकर 'हम' और 'हमारा' की भावना पैदा करनी होगी। समाज में कोई भी व्यक्ति खुद को पराया महसूस न करे। इसके लिए जमीनी स्तर पर प्रयास करने होंगे। कुछ लोग धोखे और लालच के वशीभूत होकर धर्मांतरण कर लेते हैं। जिन लोगों को अपने धर्म की कम जानकारी होती है या आस्था कमजोर होती है, वे किसी के बहकावे में जल्दी आते हैं। इसका समाधान समाज को ही ढूंढ़ना होगा। अपने बच्चों को धर्म का ज्ञान अवश्य दें। हर पखवाड़े या महीने में एक बार मोहल्ला स्तर पर धर्म के संबंध में सामान्य भाषा में चर्चा करें। ऐसे आयोजन सिर्फ विद्वानों तक सीमित न रहें। उनमें किशोरों और युवाओं को शामिल करें। उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। नई पीढ़ी का मनोबल बढ़ाएं। उसे जिम्मेदारी दें। बच्चों को डांटने, फटकारने, अयोग्य घोषित करने, पथभ्रष्ट बताने और पुराने ज़माने को सबसे अच्छा साबित करने में ऊर्जा न लगाएं। सोचिए, आज जिन बच्चों को स्नेह का वातावरण नहीं मिल रहा, प्रश्न पूछने पर फटकार मिल रही है, वे भविष्य में किसी अन्य 'विचारधारा' के प्रभाव में आएंगे तो क्या करेंगे?

देश में घुसपैठ की समस्या वर्षों से बनी हुई है। इस पर बातें खूब होती हैं। नेतागण अपनी जनसभाओं में वादे भी करते हैं। इस मामले में आम आदमी सिर्फ इतना कर सकता है कि जिस पर शक हो, उसके बारे में प्रशासन को सूचित कर दे। उसके बाद अधिकारियों को कार्रवाई करनी चाहिए। देश के पास सक्षम खुफिया एजेंसियां और मजबूत सुरक्षा बल हैं। अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो घुसपैठिए यह देश छोड़कर खुद ही भागने लग जाएं। देश में जन्म दर कम हो रही है। पहले, जहां सामान्य दंपति की चार-पांच संतानें होती थीं, अब एक या ज्यादा से ज्यादा दो होती हैं। कई दंपति संतान चाहते ही नहीं, क्योंकि उन्होंने शिक्षा और रोजगार के मामले में इतनी परेशानियां झेली हैं कि अब किसी बच्चे को दुनिया में नहीं लाना चाहते। जब जन्म दर में भारी कमी आ जाती है तो कई गंभीर समस्याएं पैदा होने लगती हैं। जापान और दक्षिण कोरिया इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। वहां सरकारें संतानोत्पत्ति को प्रोत्साहन दे रही हैं, लेकिन नतीजे निराशाजनक ही मिल रहे हैं। भारत में कभी ऐसी नौबत न आए, इसके लिए सरकारों को सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। इन दोनों की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। निजी स्कूलों की पढ़ाई और निजी अस्पतालों की सेवाएं सामान्य परिवारों के बजट से बाहर होती जा रही हैं। अब एक बच्चे को अच्छी पढ़ाई और अच्छी चिकित्सा सुविधा दिलाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में दो या तीन बच्चों की जिम्मेदारी कितने दंपति ले सकते हैं? पढ़ाई के बाद बड़ा मुद्दा है– कमाई। देश में आजादी के तुरंत बाद स्वरोजगार को प्रोत्साहन देने वाली शिक्षा पद्धति आनी चाहिए थी। अगर स्कूलों में पढ़ाई के साथ ही कामकाज के बारे में जानकारी दी जाती तो इतनी बेरोजगारी नहीं होती। सिर्फ सरकारी नौकरियां देकर बेरोजगारी दूर नहीं कर सकते। स्वरोजगार को बढ़ावा देने से ही खुशहाली के रास्ते खुलेंगे। शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए कि स्कूली पढ़ाई पूरी करते ही बच्चा अपने रोजगार को लेकर निश्चिंत रहे। अगर ऐसा हो जाए तो जनसंख्या असंतुलन का प्रभावी समाधान मिल जाए।

ट्वीटर टॉक

बीकानेर की बिटिया शिक्षा सारण को एशियन राइफलपिस्टल चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल टीम एवं मिक्स्ड डबल्स स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने की स्वर्णिम बधाई। यह उपलब्धि यूथ को प्रेरणा प्रदान करने वाली है ।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

जन-जन की जीवनदायिनी, करुणा और अटूट धर्मनिष्ठा की सजीव प्रतिमूर्ति माँ जानकी के पावन प्राकट्योत्सव 'जानकी जयंती' के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ। माता सीता का आदर्श जीवन हमें सत्य और कर्तव्यपथ पर सदैव अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

–वसुंधरा राजे

बीकानेर की होनहार बेटी शिक्षा सारण को 10 मीटर एयर पिस्टल टीम एवं मिक्स डबल्स में एशियन राइफलपिस्टल चैंपियनशिप में ऐतिहासिक सफलता के लिए हार्दिक बधाई। आपने एशियन चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है।

सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

नैतिकता का आदर्श

यह प्रसंग 1939 का है। उस समय पंडित दीनदयाल जी अंग्रेज़ी साहित्य विषय लेकर एम.ए. की पढ़ाई कर रहे थे। वे आगरा के सेंट जॉन कॉलेज के छात्र थे और अपने एक मित्र के साथ कमरा लेकर रहते थे। एक दिन दोनों मित्र सब्ज़ी खरीदकर अपने कमरे की ओर जा रहे थे कि दीनदयाल जी अचानक असहज हो गए। उन्होंने बताया कि उनकी जेब में एक-एक पैसे के कुल तीन सिक्के थे, जिनमें से एक घिसा हुआ खोटा सिक्का था। जिन अम्मा से उन्होंने दो पैसे की सब्ज़ी खरीदी थी, उन्हें वही खोटा सिक्का दे आए थे। दीनदयाल जी की बेचैनी बढ़ती ही जा रही थी। वे वापस बाज़ार गए और सब्ज़ी बेचने वाली मां को सारी बात बताई। दुकानदार मां ने उन्हें माफ़ करते हुए कहा, 'बेटा! जैसा किसी के भाग्य में हानि-लाभ लिखा होता है, वैसा ही होता है। तुम जाओ, अपनी शुद्ध भावना के कारण तुम खूब तरक्की करोगे।' लेकिन दीनदयाल जी तीसरा खरा सिक्का देकर और अपना खोटा सिक्का वापस लेकर ही माने। इसके बाद उनके चेहरे पर उभरे संतोष को कोई भी देख सकता था। यही दीनदयाल जी आगे चलकर एक प्रतिष्ठित दार्शनिक, लेखक तथा राजनीति में समाज का मार्गदर्शन और नेतृत्व करने वाले बने।

सामयिक

ड्रेगन की सेना में आई दरार, अपने ही जनरल बन रहे खतरा

नीरज कुमार दुबे

ताइवान के संदर्भ में भी यह बदलाव मायने रखते हैं। एक तरफ चीन दबाव बनाए रखना चाहता है, दूसरी तरफ उसकी कमान संरचना भीतर से हिल रही है। यह स्थिति या तो उसे जल्दबाजी में कदम उठाने को उकसा सकती है ताकि अंदरूनी कमजोरी छिपे, या फिर उसे कुछ समय के लिए सतर्क बना सकती है। दोनों ही हालात क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करते हैं।

मार्च 2023 में जब चीन की सेना का शीर्ष नेतृत्व राष्ट्र के सामने एकजुट खड़ा दिखाया गया, तब संदेश साफ था कि शी जिनपिंग ने लगभग एक दशक की सत्ता के बाद अपनी पसंद का सैन्य ढांचा खड़ा कर लिया है। अपने भरोसे के अधिकारियों को ऊपर बैठाकर उन्होंने जन मुक्ति सेना को विश्व स्तर की शक्ति बनाने का लक्ष्य रखा था। पर अब वही ढांचा भीतर से हिलता दिख रहा है। हम आपको बता दें कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के नाम पर चल रही कार्रवाई ने सेना के सबसे ऊंचे हलकों को झकझोर दिया है। केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य एक एक कर हटाए जा रहे हैं या जांच के घेरे में आ रहे हैं। ताजा और सबसे चौंकाने वाला मामला शी जिनपिंग के करीबी माने जाने वाले शीर्ष सेनापति झांग योउश्या का है। उनके साथ एक और प्रमुख कमान संभालने वाले अधिकारी लियू झेनली भी पद से हटाए गए हैं। साल 2023 की शुरुआत में चीन के पास कम से कम तीस ऐसे जनरल और एडमिरल स्तर के अधिकारी थे जो विशेष विभागों और क्षेत्रीय कमानों का संचालन कर रहे थे। अब इनमें से लगभग सभी या तो बाहर कर दिए गए हैं या सार्वजनिक जीवन से गायब हैं। उनकी जगह लगाए गए कई नए अधिकारी भी ज्यादा समय तक नहीं टिके। सक्रिय भूमिका में बचे अधिकारियों की संख्या बेहद कम बताई जा रही है। शी जिनपिंग की इस कार्रवाई से सेना में नेतृत्व का खालीपन पैदा हुआ है। झांग योउश्या और लियू झेनली जैसे अधिकारी युद्ध की तैयारी और संचालन की योजना में अहम माने जाते थे। उनके अचानक हटने से जन मुक्ति सेना की तैयारी और भरोसे पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

केंद्रीय सैन्य आयोग में अब जो प्रमुख चेहरा बचा है वह झांग शेंगमिन हैं, जिनकी पहचान राजनीतिक अनुशासन और भ्रष्टाचार विरोधी जांच से जुड़ी रही है। उन्होंने प्रक्षेपास्त्र बल में लंबा समय अनुशासन अधिकारी के रूप में बिताया। यही बल चीन के परमाणु और पारंपरिक प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम संभालता है। पिछले वर्ष उन्हें आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया था। हम आपको यह भी बता दें कि कार्रवाई केवल थल सेना तक सीमित नहीं रही है। नौसेना, प्रक्षेपास्त्र बल और लगभग सभी शाखाओं में यह कार्रवाई चली है। साथ ही पांचों क्षेत्रीय कमान, जिन्हें 2016 में नई संरचना के तहत बनाया गया था, भी इससे अछूती नहीं रहीं। पूर्वी क्षेत्रीय कमान, जो ताइवान के आसपास की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है, वहां भी बड़े स्तर पर बदलाव हुए हैं और हाल में नया कमांडर लगाया गया है।

इस बीच, सैन्य अखबार ने अधिकारियों और जवानों से अपील की है कि वे फैसलों का समर्थन करें और शी जिनपिंग के साथ खड़े रहें। साथ ही यह भी माना गया कि इन कदमों से अल्प अवधि की कठिनाई और पीड़ा हो रही है मगर दावा किया गया है कि अंत में सेना और मजबूत बनकर उभरेगी। इसी बीच रक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन सांसदों को भी उनके पद से हटा दिया गया है। ये लोग रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष उड़ान और परमाणु उद्योग से जुड़े थे। इनमें एक बड़ी सरकारी विमान निर्माण कंपनी के पूर्व प्रमुख, एक लंबे समय से परमाणु हथियार अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक और एक सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी के मुख्य अभियंता शामिल हैं। कारण सार्वजनिक नहीं किए गए, पर यह कदम संसद के वार्षिक अधिवेशन से ठीक पहले उठाया गया। चीन ने 2035 तक पूर्ण सैन्य आधुनिकीकरण का लक्ष्य रखा है। पर सेना के भीतर भ्रष्टाचार को इस राह में बाधा माना जा रहा है। कुछ हटाए गए अधिकारियों के नाम उनकी संस्थाओं की सूची से भी गायब कर दिए गए हैं। साथ ही कई रक्षा कंपनियों में भ्रष्टाचार विरोधी बैठकें तेज कर दी गई हैं। वहीं सबसे गंभीर आरोप यह है कि शीर्ष सेनापति झांग योउश्या पर परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी अमेरिका तक पहुंचाने और रिश्वत लेकर पदोन्नति कराने के आरोप लगे हैं। हालांकि आधिकारिक बयान में उन पर केवल अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन की बात कही गई, पर अंदरूनी ब्रीफिंग में जासूसी और रिश्वत के आरोप चर्चा में रहे। इन घटनाओं के बीच शी जिनपिंग 2027 से आगे भी पार्टी प्रमुख के रूप में बने रहने की राह देख रहे हैं और माना जा रहा है कि उन्हें चौथा कार्यकाल मिल जाएगा। पर उससे पहले उन्हें नए भरोसेमंद सैन्य चेहरे खोजने होंगे।

देखा जाये तो जो कुछ चीन की सेना में चल रहा है वह केवल भ्रष्टाचार विरोधी अभियान नहीं, बल्कि सत्ता की लोहे की मुट्ठी कसने की कहानी है। शी जिनपिंग ने पहले अपने वफादारों को ऊपर बिठाया, अब वही वफादार भी शक के घेरे में हैं। संदेश साफ है: वफादारी स्थायी नहीं, केवल शी के प्रति पूर्ण समर्पण ही सुरक्षा कवच है। इसका सामरिक असर भी गहरा है। सेना किसी भी देश की ताकत का आधार होती है। जब शीर्ष कमान बार बार बदले, जब अधिकारियों को हर समय डर रहे कि अगली बारी उनकी है, तब साहसी और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। युद्ध की तैयारी भरोसे, निरंतरता और स्पष्ट आदेश श्रृंखला पर टिकती है। वहां यदि भय और संदेह घर कर जाए तो कागज पर मजबूत दिखने वाली सेना मैदान में डगमगा सकती है। परमाणु और प्रक्षेपास्त्र बल में उठापटक खास चिंता की बात है। यह वही क्षेत्र है जो प्रतिरोध की अंतिम दीवार माना जाता है। यदि यहां राजनीतिक निष्ठा को पेशेवर दक्षता पर तरजीह दी गई तो गलत आकलन का खतरा बढेगा। दुनिया के लिए यह अस्थिरता का संकेत है।

ताइवान के संदर्भ में भी यह बदलाव मायने रखते हैं। एक तरफ चीन दबाव बनाए रखना चाहता है, दूसरी तरफ उसकी कमान संरचना भीतर से हिल रही है। यह स्थिति या तो उसे जल्दबाजी में कदम उठाने को उकसा सकती है ताकि अंदरूनी कमजोरी छिपे, या फिर उसे कुछ समय के लिए सतर्क बना सकती है। दोनों ही हालात क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करते हैं। साथ ही शी जिनपिंग के इरादे समझना कठिन नहीं। वह सेना को केवल राष्ट्रीय रक्षा का साधन नहीं, बल्कि अपनी सत्ता की ढाल और तलवार दोनों बनाना चाहते हैं। उन्हें ऐसी सेना चाहिए जो पहले पार्टी के प्रति, फिर देश के प्रति जवाबदेह हो, और अंत में पेशेवर मानकों की बात करे। वह 2035 का लक्ष्य और 2027 के बाद की अपनी कुर्सी, दोनों सुरक्षित करना चाहते हैं। पर इतिहास बताता है कि डर पर खड़ी व्यवस्था भले बाहर से कठोर दिखे, पर भीतर से वह खोखली हो सकती है। लगातार सफाई अभियान से कुछ समय के लिए नियंत्रण बढ़ता है, पर साथ ही पहल करने की भावना मरती है। हर अधिकारी जोखिम लेने से बचेगा, हर निर्णय ऊपर की ओर धकेला जाएगा। युद्ध और कूटनीति दोनों में यह कमजोरी बन सकती है। इसलिए चीन की यह अंदरूनी उथलपुथल केवल उसका घरेलू मामला नहीं। यह एशिया की सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन और परमाणु स्थिरता से जुड़ा सवाल है। शी जिनपिंग अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं, पर जितनी कसकर मुट्ठी बंद होगी, उतना ही खतरा है कि रेत फिसल भी सकती है। (साभारः प्रभासाक्षी)

नजरिया

भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण ष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं।

विश्व दलहन दिवस पर विशेष

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

मो.:9416740584.

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहन: सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है।

भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत हैं।

कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के दौर में दलहन खेती पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रस्तुत करती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अवसर अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का संदेश देता है, अधिक पौध आधारित, स्थानीय और पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान। दालें यह सिद्ध करती हैं कि सादगी में भी उत्कृष्टता छिपी होती है। यदि नीति-निर्माता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है। सच यही है कि छोटे-छोटे बीज मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'केआईआईटी' संस्थान में हुआ 92.5% प्लेसमेंट, 51 लाख का वार्षिक पैकेज मिला

विद्यार्थियों को सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि करियर के लिए तैयार करते हैं : अच्युत सामंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण जॉब मार्केट के बावजूद 'कीट' डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने 2025 बैच के लिए कैंपस प्लेसमेंट में एक बार फिर वर्चस्व बरकरार रखा। विश्वविद्यालय ने करीब 92.5 प्रतिशत का ओवरऑल प्लेसमेंट दर्ज किया है, जो इसे देश के शीर्ष प्लेसमेंट देने वाले संस्थानों में शामिल करता है। वर्ष 2025 के प्लेसमेंट सीज़न के दौरान 75% से अधिक कंपनियां कीट कैंपस पहुंचीं। करीब 5,000 योग्य छात्रों में से लगभग 4,621 विद्यार्थियों को जॉब ऑफर्स विभिन्न स्कूलों और विषयों में प्रस्तुत किए गए। कीट स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी रहा सबसे आगे। प्लेसमेंट ड्राइव में कीट स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी ने सबसे शानदार प्रदर्शन किया। यहां के 451 छात्रों को मिला 3,800 शीर्ष कम्पनीज से जॉब ऑफर्स मिले। औसत पैकेज 8.5 लाख रुपये प्रति वर्ष रहा, जबकि 739 छात्रों को कई अन्य ऑफर्स मिले। इस दौरान 1,500 से अधिक 'ड्रीम ऑफर्स' (उच्च पैकेज वाले) दिए गए और 59 कंपनियों ने 10लाख प्रतिवर्ष या उससे अधिक का पैकेज ऑफर किया। सबसे अधिक 51 लाख रुपए का पैकेज माइक्रोसॉफ्ट ने दिया। वहीं, मास रिक्रूटर्स में टीसीएस ने 530 ऑफर्स और विप्रो ने 342 ऑफर्स शामिल है। इसके अलावा, 1,209 पेड इंटर्नशिप्स भी ऑफर की गईं, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान ही इंडस्ट्री में मौजूद दिग्गजों के साथ काम करने और सिखने का अवसर मिलेगा। 'नीविडा' कम्पनी टॉप हाईपेइंग रिक्रूटर्स में शामिल कीट में वर्ष 2025 प्लेसमेंट

आकर्षण रहा, जिसने 36.28लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया है। नीविडा की भागीदारी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटिंग और एडवांस्ड इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में केआईआईटी की बढ़ती साख को बल मिला है।

ह्युमन रेसोसिया, हाइक व पेयपाल जैसी कंपनियों ने भी 30लाख प्रति वर्ष से अधिक के पैकेज ऑफर किए। केआईआईटी स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट में 161 कंपनियों ने हिस्सा लिया, जिससे एमबीए स्टूडेंट्स को 401 जॉब ऑफर मिले। सबसे ज़्यादा पैकेज 20 लाख रुपए सालाना और एवरेज पैकेज 7.25 लाख रुपये सालाना था। कुल मिलाकर 51 कंपनियों ने विद्यार्थियों को नौकरी दी, जिसमें सबसे ज़्यादा पैकेज 20.71 लाख रुपए सालाना और एवरेज 5.55 लाख रुपए सालाना था। केआईआईटी स्कूल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी में 85 परसेंट प्लेसमेंट हुआ और सबसे ज़्यादा पैकेज 8 लाख रुपए सालाना था। कीट स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी में अब तक 175 से अधिक कंपनियों ने 3,000 से ज्यादा जॉब ऑफर्स दिए हैं, जिनमें 44 कंपनियों के 1,200 से अधिक ड्रीम ऑफर्स शामिल हैं। इनफ़ोसिस और एसैंचर जैसी कंपनियों ने बड़े स्तर पर भर्ती की है। कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा कि लगातार बेहतर प्लेसमेंट प्रदर्शन विश्वविद्यालय की गुणवत्ता आधारित शिक्षा और इंडस्ट्री-फोकस्ड अप्रोच का परिणाम है।उन्होंने कहा, कीट में हमारा लक्ष्य छात्रों को केवल पहले नौकरी के लिए नहीं, बल्कि टिकाऊ करियर के लिए तैयार करना है। वैश्विक कंपनियों का लगातार हम पर भरोसा यह साबित करता है कि हमारे विद्यार्थी इंडस्ट्री-रेडी हैं।

आरएसएस के शताब्दी समारोह का हिस्सा बनने पर रुपाली गांगुली ने जाहिर की खुशी

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के अलग-अलग राज्यों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रविवार को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड से जुड़े कई स्टार्स को देखा गया। कार्यक्रम में टीवी से जुड़े सेलेब्स को भी देखा गया। अब अनुपमा यानी रुपाली गांगुली ने आरएसएस के शताब्दी समारोह की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं जिसमें वे मोहन भागवत के साथ दिख रही हैं। टीवी की अनुपमा रुपाली गांगुली भी बीते रविवार को हुए आरएसएस के शताब्दी समारोह का हिस्सा रही, जहां उन्होंने संघ-चालक मोहन भागवत के साथ संवाद किया और उनकी बातों से समाजसेवा की प्रेरणा भी ली। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, संघचालक मोहन भागवत की उपस्थिति में रहना और उनसे संवाद करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। संघ परिवार के सदस्यों से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं।

रुपाली के साथ फोटो में शिल्पा शेट्टी भी नजर आ रही हैं। उन्होंने भी अपने इंस्टाग्राम पर समारोह की फोटोज पोस्ट की थीं। अभिनेत्री का कहना है, इस शताब्दी वर्ष पर हार्दिक बधाई। मैं मोहन भागवत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मैं राष्ट्र के लिए काम करने के उनके संकल्प और समर्पण की बहुत प्रशंसा करती हूं, और मैं वास्तव में उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं क्योंकि उनके विचार मुझे प्रेरित करते हैं। मैं देश की सेवा के कार्य को और ज्यादा मन लगाकर कर पाऊंगी। मेरा मानना है कि सभी को उनके जैसे विचार रखने चाहिए।

आरएसएस के शताब्दी समारोह में रुपाली गांगुली और शिल्पा शेट्टी के अलावा, विक्की कौशल, रवि दुबे और करण जौहर समेत कई स्टार्स को देखा गया था। करण जौहर और शिल्पा शेट्टी को भी मोहन भागवत के राष्ट्र के प्रति विचारों ने प्रेरित किया था। मीडिया से बात करते हुए करण जौहर ने कहा था, आज आरएसएस शताब्दी समारोह में शामिल होकर मुझे बहुत आनंद आया। मोहन भागवत के विचार और आदर्श सुनना प्रेरणादायक था।

'शर्माना' गाने को लेकर रोहन मेहरा ने शेयर किया अपना अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में डग्गू का किरदार निभाने वाले रोहन मेहरा अब म्यूजिक वीडियोज में अपने जलवे दिखा रहे हैं। अभिनेता का एक्ट्रेस हिया के साथ नया एल्बम सॉन्ग 'शर्माना' रिलीज हो चुका है। गाने को दर्शकों के बीच बहुत पसंद भी किया जा रहा है, लेकिन अब उन्होंने नए एल्बम सॉन्ग और अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर आईएएनएस से खास बातचीत की है। इस मौके पर अभिनेत्री हिया भी मौजूद रहीं।

एल्बम सॉन्ग के टाइटल और इमोशन पर बात करते हुए रोहन मेहरा ने कहा, गाना एक पार्टी और लव सॉन्ग है, और इस गाने में दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा क्योंकि गाने की बैकग्राउंड और सीन्स को एआई की मदद से बनाया गया है।

हर लोकेशन को एआई की मदद से बनाया गया है जिसमें दुबई और लंदन जैसी लोकेशन को दिखाने की कोशिश की गई है, और गाना एक ही स्टूडियो में शूट किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, गाने की रिहर्सल का समय बहुत कम मिला। गाने में बहुत सारे डांस स्टेप्स को शामिल किया है और ये पूरा गाना क्रोमा पर शूट हुआ था, और हम सिर्फ विजुलाइजेशन कर पा रहे थे कि यहां पूल है, यहां हेलीकॉप्टर है। मुश्किल था, लेकिन शूटिंग के वक्त काफी मजा आया।

मेरी फैंस से अपील है कि गानों को खूब सारा प्यार दीजिए, हमसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन उनको भुलाकर हमें सपोर्ट जरूर कीजिए। वहीं एल्बम सॉन्ग 'शर्माना' को लेकर हिया का कहना है कि उनके लिए गाना उस फीलिंग की तरह है जिसे आज पहले महसूस नहीं किया गया है। सॉन्ग में रोमांस और उस दौरान होने वाली फीलिंग्स को गाने के जरिए दिखाने की कोशिश की गई है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से बाजार में तेजी, सेंसेक्स 485 अंक चढ़कर 84,000 अंक के पार

मुंबई। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 734.28 अंक तक चढ़कर 84,314.68 अंक के उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान सूचकांक 228.55 अंक की तेजी के साथ एक वक्त 25,922.25 अंक के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटरनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मास्युटिकल्स और एशियन पेंट्स में उल्लेखनीय तेजी हुई। पावरग्रिड, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, व्यापार समझौते से मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी ने बाजार में जोखिम लेने की भावना को बढ़ावा दिया। निवेशक आगामी परिणामों पर करीब से नजर रख रहे हैं। सरकारी बैंकों का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहने के कारण उन्होंने अन्य क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे बताया कि हालिया गिरावट के बाद टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और रियल एस्टेट शेयरों में लिवाली देखी गई। सीमेंट, पूंजीगत वस्तुओं, कपड़ा और उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए।

'आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे,' सुनील थापा के निधन पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई/एजेन्सी

नेपाली सिनेमा के वेटरन अभिनेता सुनील थापा का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। फिल्म मेरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा के कोच का किरदार निभा चुके अभिनेता के निधन पर प्रियंका चोपड़ा आहत नजर आईं। उन्होंने थापा के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। सुनील थापा ने 250 से ज्यादा नेपाली फिल्मों में काम किया और खलनायक के रोल में अपनी अलग पहचान बनाई। वह बॉलीवुड में भी सक्रिय रहे और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'मैरी कॉम' में उनके कोच का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह 'द फैमिली मैन 3' जैसी वेब सीरीज समेत और भी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे। प्रियंका ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद सुनील थापा ने उन्हें बहुत सहारा दिया। उन्होंने उनके प्यार और मदद को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा उनके कोच बने रहेंगे।

उनके निधन की खबर से आहत प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'मैरी कॉम' फिल्म के एक सीन का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे। जब मैंने अपने पापा को खो दिया था, तब आपने मुझे संभाला। आपने मुझे प्यार किया और बिना एहसास कराए कई मुश्किल दिनों में मेरी मदद की।

आपकी एनर्जी और गर्मजोशी के साथ गले लगने की आदत और आपकी मुस्कान हमेशा मेरी यादों का हिस्सा रहेंगी। प्रियंका ने आगे लिखा, आप बहुत कम उम्र में चले गए, लेकिन कभी भुलाए नहीं जाएंगे। जब मैं भावनात्मक रूप से टूट गई थी, उस समय आपकी दयालुता और विनम्रता ने संभाला, उसके लिए धन्यवाद। सुनील थापा आरआईपी। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। सुनील थापा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उन्हें काठमांडू के थापाथली स्थित नॉर्विक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, सुनील थापा के निधन की वजह कार्डियक अरेस्ट बनी।

'द मेहता बॉयज' के एक साल: बोमन ईरानी के वो शब्द, जिन्होंने सब कुछ बदल दिया : अविनाश तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

बुलबुल, खाकी: द बिहार चैप्टर और कई यादगार प्रोजेक्ट्स में अपने सधी हुई और गहराई भरी अदाकारी के लिए सराहे जा चुके अविनाश तिवारी ने 'द मेहता बॉयज़' में अमय मेहता के किरदार के ज़रिए दर्शकों के दिलों को छू लिया था। यह परफॉर्मेंस न सिर्फ़ खूब पसंद की गई, बल्कि अविनाश के करियर में एक और यादगार किरदार के रूप में दर्ज हो गई। साल 2025 में रिलीज़ हुई 'द मेहता बॉयज़' को अब एक साल पूरा हो चुका है। इस मौके पर अविनाश ने उस फ़िल्म को याद किया, जो बिना शोर मचाए, क्रेडिट्स के बाद भी दर्शकों के साथ बनी रही। इस खास पड़ाव पर उन्होंने फ़िल्म और उस किरदार के सफ़र को याद करते हुए अपने दिल की बात साझा की। फ़िल्म और बोमन ईरानी के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अविनाश कहते हैं, 'द मेहता बॉयज़' को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है, लेकिन मैं आज भी इस फ़िल्म से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। जिस पल ये कहानी मेरे पास आई, उसकी सच्चाई और भावनात्मक गहराई से मैं तुरंत जुड़ गया। अमय बहुत असली लगा खामियों से भरा, नाज़ुक, इंसानी। ऐसे में इसे ना कहना मेरे लिए मुमकिन ही नहीं था। मुझे याद है, मैंने खुद से कहा था, 'अगर तुम खुद को सच में कलाकार कहते हो, तो इसे जाने नहीं दे सकते,' और मैंने बिना हिचक हां कर दी। बोमन ईरानी के साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा। एक अभिनेता और निर्देशक, दोनों रूपों में वो कमाल के हैं और लगातार मुझे खुद को और आगे ले जाने के लिए प्रेरित करते रहे। वो अक्सर मुझसे कहते थे, 'अरे, ढाई एक्टर नहीं है तेरे जैसे। अविनाश, बस खुलकर कर!' उस एक सोच ने सब कुछ बदल दिया और मुझे बिना डर के एक्सपेरिमेंट करने की आज़ादी मिल गई।वो आगे जोड़ते हैं, इस फ़िल्म को खास बनाता है ये तथ्य कि ये सिर्फ़ पितापुत्र की कहानी नहीं है। ये हर उस रिश्ते की झलक है, जो अहंकार, खामोशी और गलतफहमियों से गढ़े जाते हैं। जिन्होंने भी ये फ़िल्म देखी और मुझसे संपर्क कर बताया कि ये उन्हें कितनी गहराई से छू गई, उस प्यार के लिए मैं दिल से आभारी हूं। वो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 'द मेहता बॉयज़' में अविनाश ने अपनी सबसे संयमित और अंतरंग परफॉर्मेंस में से एक दी। मुंबई में संघर्ष करता एक जूनियर आर्किटेक्ट, जो करीब एक दशक से दुनिया और खुद को अपनी काबिलियत साबित करने की कोशिश में लगा है। इस किरदार में इम्पोस्टर सिंड्रोम को जिस सटीकता से उन्होंने निभाया, वो बेहद असरदार रहा।

फ़िल्म का भावनात्मक केंद्र एक बिछड़े हुए पिता और बेटे का रिश्ता है, जिन्हें अमय की मां के निधन के बाद एक छोटे से अपार्टमेंट में 48 घंटे साथ बिताने पड़ते हैं। बोमन ईरानी के सख़्त और अड़ियल शिव मेहता के सामने, अविनाश का अमय सालों की अनकही नाराज़गी, निराशा और चाहत अपने भीतर समेटे रहता है। उनकी मजबूरी में साथ बिताई गई ये घड़ियां पीढ़ियों के टकराव का मैदान बन जाती हैं जहां खामोशी, अधिकार और प्यार को ज़ाहिर न कर पाने की जद्दोजहद है। पूरी फ़िल्म में अमय का भावनात्मक हिसाबकिताब उसके प्रोफेशनल जागरण के साथ चलता है, जहां वो धीरेधीरे अपने पिता, अपने दुख और अंततः अपनी आवाज़ का सामना करना सीखता है।

एक साल बाद, 'द मेहता बॉयज़' अविनाश तिवारी की उस समझ की याद दिलाती है, जिससे वो ऐसे किरदार चुनते हैं जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा को सामने लाते हैं। जहां फ़िल्म की पहली सालगिरह का जश्न जारी है, वहीं उनकी आने वाली फ़िल्म 'ओ रोमियो' पहले ही उनके तीखे और बदले हुए अंदाज़ को लेकर चर्चा में है। इसके अलावा इम्तियाज़ अली की 'ओ साथी रे' और प्रशांत झा की 'गिन्नी वेड्स सनी 2' भी उनकी झोली में हैं, जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और रोमांचक कलाकारों में और मज़बूती से स्थापित करती हैं।

भाजपा के सोशल मीडिया खाते से हटाए गए 'प्वाइंट ब्लैंक शॉट' वीडियो की जानकारी नहीं : हिमंत

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के सोशल मीडिया खाते से कथित विवादित वीडियो को साझा करने की जानकारी नहीं है, जिसे बाद में हटा दिया गया था। वीडियो में शर्मा को कथित तौर पर राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया था, जिनमें से एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। वीडियो के कैप्शन में प्वाइंट ब्लैंक शॉट (बिल्कुल करीब से गोली मारी गई) लिखा था। बाद में वीडियो को हटा दिया गया था। मुख्यमंत्री ने यहां एक आधिकारिक समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कि उन्हें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा हैदराबाद में उक्त वीडियो को लेकर पुलिस के समक्ष दर्ज कराई की किसी भी शिकायत की जानकारी नहीं है।

आज के सिनेमा में कंटेंट की कमी, नहीं पता भविष्य कैसा होगा : दीपक पराशर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता दीपक पराशर ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कंटेंट, 8 घंटे की शिफ्ट के साथ ही अन्य कई मुद्दों पर खुलकर बात की। पराशर ने सिनेमा और ओटीटी के बदलते दौर पर अपनी राय रखी। खासखबर से खास बातचीत में उन्होंने खुद को 'ओल्ड स्कूल' बताते हुए कहा, आज की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कंटेंट की भारी कमी हो गई है। पराशर ने याद किया कि जब वह साल 1976 में पहली बार इंडस्ट्री में आए थे और 'मिस्टर इंडिया' बने थे, तब पूनम ढिल्लों मिस दिल्ली थीं। उस समय फिल्मों में चकाचौंध, ग्लैमर और अलग ही जोश था, जो आज लगभग गायब-सा हो गया है। मैं बहुत पुराने ख्यालों का हूं। इंडस्ट्री धीरे-धीरे कंटेंट की कमी की तरफ बढ़ रही है। डिजिटलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने चिंता जताई कि एआई आने वाले समय में सब कुछ संभाल लेगा, जिससे फिल्म इंडस्ट्री का

भविष्य अनिश्चित हो गया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि फिल्म इंडस्ट्री का भविष्य क्या होने वाला है। बातचीत में पराशर ने छोटे और संघर्षरत कलाकारों की मुश्किलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने दीपिका पादुकोण के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें दीपिका ने कहा था कि वे आठ घंटे से ज्यादा शिफ्ट में काम नहीं करेंगी और प्रेग्नेंट एक्ट्रेस को छुट्टी मिलनी चाहिए। पराशर ने इसे सराहा, लेकिन साथ ही कहा कि ऐसे मुद्दों का टॉप स्टार्स पर कोई असर नहीं पड़ता। पराशर का मानना है कि बड़े सितारे छोटे कलाकारों के संघर्ष को सपोर्ट करने के लिए आगे नहीं आते, जिससे इंडस्ट्री में असमानता बनी रहती है। दीपक पराशर ने यह भी कहा कि नए दौर में सीनियर एक्टर्स को अलग-अलग तरह के रोल मिल रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर कंटेंट की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ज्यादातर टॉप लोगों को न पैसे की कमी होती है, न समय की, न ही सर्वाइवल की। जरूरतमंद एक्टर्स के मुद्दे उनके लिए ज्यादा मायने नहीं रखते, क्योंकि सब कुछ उनके हिसाब से चलता है।

शिल्पा शेट्टी ने बताया व्याघ्रासन का महत्व, कहा दिमाग और बॉडी के बीच बेहतर तालमेल बनाता है

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी योगासन और हेल्दी लाइफस्टाइल से फैंस के बीच खास पहचान रखती हैं। वे न सिर्फ अपनी फिटनेस से स्वास्थ्य का खास ख्याल रखती हैं, बल्कि कई लोगों को हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर व्याघ्रासन करते हुए वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इस वीडियो के जरिए व्याघ्रासन करने के साथ-साथ इसके महत्व पर प्रकाश डाला है। शिल्पा ने लिखा, शांति की ओर बढ़ते हुए। शिल्पा ने इसके महत्व के बारे में बताया, यह आसन शरीर का संतुलन सुधारता है और दिमाग व शरीर के बीच बेहतर तालमेल बनाता है। इससे बेहतर को-ऑर्डिनेशन और फोकस बढ़ता है। वहीं, कमर की मांसपेशियां, नितंब, जांघों के पीछे की मांसपेशियां और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है।

फायदे बताने के साथ अभिनेत्री ने उन लोगों को अभ्यास करने के लिए भी मना किया जो कमर में दर्द (स्लिप डिस्क) या घुटनों से जुड़ी समस्या से जूझ रहे हैं। व्याघ्रासन को करते समय शरीर की मुद्रा बाघ की तरह होती है, जिस वजह से इसे टाइगर पोज भी कहते हैं। यह योगासन कमर और मेरुदंड की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे लंबे समय तक बैठने से होने वाली कमर दर्द की समस्या में काफी राहत मिलती है। आयुष मंत्रालय ने भी व्याघ्रासन को लेकर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने बताया है कि इस योगासन के नियमित अभ्यास से शरीर में कई सकारात्मक बदलाव होते रहते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन मेरुदंड की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर के निचले हिस्से को स्थिरता प्रदान करता है। यह रीढ़ की हड्डी के लचीलापन को बढ़ाता है, जिससे कमर की परेशानियां कम हो जाती हैं और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को सुधारता है और तनाव कम करने में भी सहायक होता है। नियमित अभ्यास से पीठ दर्द में राहत मिल सकती है और समग्र फिटनेस बढ़ती है।

सृष्टि कप क्रिकेट स्पर्धा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हंपी नगर क्रिकेटर्स द्वारा हंपीनगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा सृष्टि कप-2026 सीजन-1' का आयोजन किया गया। पूर्व पार्षद रविंद्र ने बालिंग कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, खेलकूद एवं व्यायाम से शारीरिक, मानसिक, व्यक्तित्व विकास तो होता ही है, भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

बागरेचा रॉयल्स टीम बनी जैन प्रॉपर्टी बॉक्स क्रिकेट कप विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट नवयुवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित 'एसवीएसजेएनएम प्रीमियर लीग-5 जैन प्रॉपर्टी बॉक्स क्रिकेट कप' टूर्नामेंट रविवार को सेंट्रल कॉलेज ग्राउंड में संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में बागरेचा रॉयल्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कप अपने नाम किया, जबकि चोपड़ा की धुरंधर टीम ने भी प्रशंसनीय खेल दिखाकर उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रौनक बागरेचा को बेस्ट बैटसमैन तथा महावीर कोटरिया को बेस्ट बॉलर घोषित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा ने मुख्य प्रायोजक संतोष बागरेचा व अन्य प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। साथ ही टीम प्रायोजक के रूप में संतोष बागरेचा, हनुमान चोपड़ा, नरेश ढेलेरिया, विनोद लुंकड़, हनुमानकरण मेहता एवं किरण सालेचा का भी सहयोग रहा। प्रतियोगिता में संघ के पदाधिकारियों सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नेत्र जांच शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में विजय संभव फाउंडेशन द्वारा संध्या सुरक्षा-असहाय वृद्ध महिलाओं का आश्रयगृह' में स्वास्थ्य, नेत्र जांच एवं सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर आलोका फाउंडेशन और कावेरी हॉस्पिटल के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमें लगभग 100 वृद्ध लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। शिविर के दौरान नेत्र जांच, निःशुल्क चश्मों का वितरण, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और बीएमआई की जांच के साथ-साथ सामान्य चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया।

माओवाद से समाज को कभी लाभ नहीं हुआ, इससे विनाश ही हुआ है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि माओवाद ने कभी किसी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, उसने तबाही फैलाई। उन्होंने इस संबंध में कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसे देशों का उदाहरण दिया। शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि देश से नक्सलवाद की समस्या 31 मार्च तक पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उन्हें सम्मानजनक पुनर्वास का वादा किया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार की माओवादी पुनर्वास नीति सबसे आकर्षक है। उन्होंने इसको लेकर भी चिंता जतायी कि जो नक्सली अभी भी डटे हुए हैं, उनमें युवा आदिवासी लड़कियां भी शामिल हैं। शाह ने कहा, उन्हें (युवा आदिवासी लड़कियों को) पुनर्वास के लिए भेजा जाना चाहिए क्योंकि उनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है। शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाए जाने का आश्वासन देते हुए चेतावनी दी कि जो लोग गोली चलाना जारी रखेंगे, आईईडी लगाएंगे और विद्यालयों एवं अस्पतालों को आग लगाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा, सशस्त्र हिंसा का कड़ा जवाब दिया जाएगा। अगर कोई हथियार उठाएगा, तो जवाब भी हथियारों से ही दिया जाएगा। माओवाद ने किसी भी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, वहां विनाश फैलाया, जिसमें कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसी देश भी शामिल हैं।

शाह ने शेष सशस्त्र नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील करते हुए कहा, हम किसी से लड़ना नहीं चाहते। हमारी लड़ाई अपने आदिवासी भाइयों और बहनों की रक्षा के लिए है। जब आईईडी लगाए जाते हैं, तो निर्दोष बच्चों की जान जा सकती है या वे स्थायी रूप से अपंग हो सकते हैं। यह क्रूरता कहां से आती है?

उन्होंने कहा कि माओवादियों ने दशकों तक स्कूल बंद रखे, जिससे कई पीढ़ियां शिक्षा से वंचित रहीं और बड़े पैमाने पर निरक्षरता फैली। शाह ने कहा, हालांकि बस्तर अब तेज विकास के रास्ते पर है। स्कूल फिर से खुल रहे हैं, सड़कें बन रही हैं, मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं, डाकघर खोले जा रहे हैं और गांवों तक बिजली एवं पेयजल पहुंचाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि अगले पांच वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी बहुल संभाग बने।

महिला भक्ति मंडल ने श्याम मंदिर में अर्पित किए 151 निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महिला भक्ति मंडल द्वारा रविवार को रामसिसरिया गौशाला से, कलयुगी अवतार बाबा श्याम के फाल्गुन मेले के अवसर पर निशान यात्रा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रातः 8 बजे महिला भक्त मंडल की सदस्याओं ने निशान पूजा की तथा श्याम भक्तों को निशान वितरण किए। सभी श्याम भक्त भजनों की धुन पर बाबा श्याम का गुणगान करते हुए, पैदल यात्रा करते हुए बन्नरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित श्याम मन्दिर पहुँचे और बाबा को 151 निशान अर्पित किए। निशान यात्रियों ने श्याम मंदिर पहुंचकर बाबा श्री श्याम के जयकारों से मंदिर को गुंजायमय कर दिया। इस अवसर पर श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवन्तमल झवँर ने सभी को धन्यवाद दिया।

महेन्द्र चोरड़िया

चन्द्रकांत रुणवाल

चोरड़िया बने रायचूर संघ के अध्यक्ष, रुणवाल बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के रायचूर संघ की साधारण सभा में गत दो वर्षों के कार्यकाल की समीक्षा करने के बाद वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का किया गया। वरिष्ठ सदस्य अशोक संचेती ने नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की। सर्वसम्मति से शांतिलाल खिंवेसरा को चेयरमैन, महेन्द्र चोरड़िया को अध्यक्ष, चन्द्रकांत रुणवाल को मंत्री बनाया गया। पवन छाज़ेड़ को उपाध्यक्ष, रोशन कांकरिया को सहमंत्री, वीरेन्द्र भंडारी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी समिति में नीलेश बोहरा, जवाहरलाल श्रीश्रीमाल,अजित छाजेड़, दीपक बोहरा, प्रवीण लोढ़ा, हुकमीचंद खिंवेसरा, दिनेश बुरड़, सुभाषचंद भंसाली, नितिन भंडारी, अजय बोहरा एवं पारस खिंवेसरा को शामिल किया गया।

राहुल संसदीय कार्यवाही में सुनियोजित रूप से बाधा डाल रहे हैं : भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आचरण की निंदा करते हुए उन पर संसदीय कार्यवाही में व्यवस्थित व्यवधान डालने और संवैधानिक संस्थानों को जानबूझकर कमजोर करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के आचरण से अब यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है कि सार्थक संसदीय चर्चा में कांग्रेस नेता की कोई दिलचस्पी नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया, उनका उद्देश्य लोकतंत्र के मंदिर को राजनीतिक युद्धक्षेत्र में बदलना है। उनका एकमात्र एजेंडा भारत की प्रगति में बाधा डालना और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। बलूनी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा संसदीय कार्यवाही में व्यवस्थित रूप से बाधा डालने और संवैधानिक संस्थाओं को जानबूझकर कमजोर करने की कड़ी निंदा करती है।

यह मामला सोमवार को लोकसभा के उस समय स्थगित होने के बाद का है जब गांधी की इस मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बना रहा कि उन्हें केंद्रीय बजट पर चर्चा शुरू होने से पहले बोलने की अनुमति दी जाए। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि लोकसभा में बार-बार बोलने का मौका दिए जाने के बावजूद विपक्ष के नेता अपने भारत को बदनाम करने वाले विमर्श पर अड़े हुए हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, राहुल गांधी अक्सर अपनी खोखली तर्कशक्ति के उजागर होने के डर से महत्वपूर्ण बहस से बचने के लिए बहाने तलाशते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान व्यवधान डालकर, राहुल गांधी ने न केवल संसद की अवमानना की, बल्कि भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का भी घोर अपमान किया।

उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा संसद के कामकाज में बार-बार बाधा डालने की कड़ी निंदा करती है और ऐसा आचरण लोकतांत्रिक मानदंडों और संसदीय मर्यादाओं के प्रति घोर अवहेलना को दर्शाता है।

'शब्द' की रचना गोष्ठी में कविताओं की रसधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी में किसिम-किसिम की कविताएँ और ग़ज़लें सुनी-सुनायी गईं। वरिष्ठ गीतकार आनंद मोहन झा की अध्यक्षता में आयोजित काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि थे प्रथम 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' से पुरस्कृत कवि मदन कश्यप। संचालन किया कवयित्री बिन्दु रायसोनी ने। गजलगो विद्याकृष्णा की कन्नड़ में रचित सरस्वती वंदना से शुरू काव्यगोष्ठी में आनंद मोहन झा ने कविताओं की विषय-विविधता को रेखांकित किया तथा सहभागी रचनाकारों के सृजन की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि मदन कश्यप ने अपने काव्य पाठ के पहले 'शब्द' के प्रयास और निरन्तरता को उल्लेखनीय बताया। सुधा दीक्षित, विद्या कृष्णा, स्नेही चौबे, गीता चौबे गूँज और अशोक सूर्य का काव्य पाठ प्रभावशाली रहा। युवा कवि दीपक सोपोरी, नशिता खान, बिंदु रायसोनी, कुमार बृजेन्द्र और सुनील तंग भी अपने काव्य पाठ से रंग जमाने में कामयाब रहे। श्रीकान्त शर्मा, कृष्ण कुमार पारीक, श्रीप्रकाश यादव, शिवनंदन सिन्हा और नमिता सिन्हा तथा राम त्रिपाठी की कविताएँ भी श्रोताओं को भाव विभोर करने में सफल रहीं। 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने 'शब्द' के भावी कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सृजन के लिए साधना एवं सरोकार को महत्त्वपूर्ण बताया तथा सहभागी रचनाकारों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

संत विहार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रमणसंघीय उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनिजी, शालीभद्र मुनिजी व नवदीक्षित हार्दिक मुनिजी ने बेंगलूरु चातुर्मास सम्पन्न कर पूना के लिए विहार किया। संतगण विहार करते हुए सोमवार को बेंगलूरु के नेलमंगला स्थित महावीर तपोवन पहुंचे। साथ ही साध्वी डॉ. प्रतिभाजी ने हैदराबाद की ओर तथा साध्वी मल्लिश्रीजी एवं आस्था जी ने धारावी की ओर विहार किया। साधु-साध्वी विहारकर बाबूलाल अशोक रांका के महावीर तपोवन पहुँचे।

टीपीएफ वेस्ट ने आयोजित किया बजट-2026 चर्चा सत्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम वेस्ट द्वारा बजट 2026 एवं नए आयकर अधिनियम-2025' विषय पर आधारित विशेष चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें 145 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बेगानी ने स्वागत करते हुए शाखा की गतिविधियों की जानकारी साझा की। साउथ ज़ोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने टीपीएफ के विज़न एवं मिशन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर एवं राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डायरेक्ट टैक्स एक्सपर्ट सीए नवीन खारीवाल ने नए आयकर अधिनियम 2025 एवं बजट 2026 में किए गए प्रमुख संशोधनों और विशेष प्रावधानों को सरल एवं व्यावहारिक भाषा में समझाया। टीपीएफ टीम द्वारा वक्ता सीए नवीन खारीवाल एवं प्रायोजक महावीर चोपड़ा का सम्मान किया गया। मंत्री कौशल खटेड़ ने धन्यवाद दिया।

उत्तर बेंगलूरु के प्रवासी बिहारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

कर्नाटक बिहारी समाज ने आयोजित की बैठक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्नाटक बिहारी समाज द्वारा कॉफी बोर्ड लेआउट, केम्पापुरा में उत्तर बेंगलूरु क्षेत्र के रहवासियों की बैठक आयोजित की गई। संचालन करते हुए प्रो. विनय कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में बिहारी मजदूरों की आए दिन हो रही मृत्यु व उन्हें मदद पहुंचाने के विषय पर चर्चा कर कुछ निर्णय लेने होंगे। यादव ने प्रवासी बिहारियों को रोजमर्रा के उपयोग में आने जितनी कन्नड़ भाषा अवश्य सीखने की अपील की । इस बैठक के मुख्य वक्ता उदय सिंह ने उत्तर बेंगलूरु समिति के सदस्य एवं पदाधिकारियों के चयन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बिहारी समाज को जमीन देने की बात की है। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय सरकार के पास अपनी बात रखने के लिए हर राज्य के प्रतिनिधि थे, लेकिन बिहार का कोई प्रतिनिधि नहीं था इसलिए बिहारी समाज को एक संगठन का रूप देना बहुत जरूरी है ताकि ऐसी आपातकाल की स्थिति में हमारा भी प्रतिनिधित्व हो। बिहार को अगर नई पीढ़ी तक अपनी सांस्कृतिक विरासत को पहुंचाना है तो हर वर्ष सांस्कृतिक उत्सव करना होगा, ताकि बिहारी संस्कृति नई पीढ़ी तक भी पहुंचे। हमारी संस्था का यह भी उद्देश्य है कि हम एकजुट होकर सरकार से लाभ लें। हर जोन में एक समिति बनानी है ताकि सभी का हम सहयोग कर सकें। इस बैठक में कॉलेज, अधिवक्ता एवं अन्य पदों पर कार्य करने वाले लोगों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए और अपना सहयोग देने की बात की। अंत में डॉ. कृष्णा अनुराग ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**